हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 50 ● भिलाई, बुधवार 09 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

अमृतसर एयरपोर्ट पर 4 संदिग्ध ड्रोन से हड़कंप 7 उड़ानें डायवर्ट

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एयरपोर्ट के ऑपरेशनल एरिया में 2 से 4 संदिग्ध ड्रोन या उड़ती हुई वस्तुएं दिखाई दीं। रनवे और उसके आसपास संदिग्ध गतिविधि नजर आते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने अलर्ट जारी कर दिया। सुरक्षा के मद्देनजर अमृतसर आने वाली 7 उड़ानों को दिल्ली और चंडीगढ़ डायवर्ट कर दिया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध ड्रोन अथवा उड़ती हुई वस्तुएं गांव रजाला की दिशा से एयरपोर्ट की ओर आती दिखाई दीं। ये कुछ मिनटों तक रनवे और आसपास के संवेदनशील इलाके में मंडराते रहे। इसके बाद, ड्यूटी ने सुरक्षा अलर्ट जारी किया और एहतियात के तौर पर अमृतसर आने वाली कई उड़ानों का रूट बदल दिया गया। श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमृतसर शहर से करीब 11 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में राजा सांसी में स्थित है। यह पंजाब का सबसे बड़ा और व्यस्त हवाई अड्डा है। इसका नाम सिखों के चौथे गुरु और अमृतसर शहर के संस्थापक गुरु राम दास के नाम पर रखा गया है।

टीएमसी सांसद नदीमुल हक पर ईडी का शिकंजा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े ठिकानों पर सोमवार को छापेमारी की। श्रेष्ठ की टीमें कोलकाता और दिल्ली में एक साथ तलाशी अभियान चला रही हैं। कोलकाता में नदीमुल हक के उर्दू अखबार 'अखबार-ए-मशरिक' के कार्यालय और उनके आवास पर तलाशी ली जा रही है। वहीं, दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर भी श्रेष्ठ की कार्रवाई जारी है। यह आवास अस्थायी रूप से टीएमसी के कार्यालय के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। कोलकाता में श्रेष्ठ की कार्रवाई पार्क सर्कस के दरगा रोड स्थित 'अखबार-ए-मशरिक' के कार्यालय में चल रही है। नदीमुल हक इस अखबार के निदेशक बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान कार्यालय परिसर को केंद्रीय सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। सुरक्षा कारणों से कार्यालय का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया गया है और तलाशी अभियान के दौरान किसी को भी अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

सागर जहरीली शराब कांड : अस्पताल में 84 बीमार लोगों का इलाज जारी

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब से कई मौतों के मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए 30 से अधिक नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इनमें से 10 आरोपियों को हिरासत में भी लिया जा चुका है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बांदा तहसील में हुई इस घटना में लगभग 12 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, जहरीली शराब पीने के बाद 84 लोगों का इलाज चल रहा है।

हमने 50,000 रेल कोच बनाए

कांग्रेस सरकार 50,000 शौचालय भी नहीं बना सकी:मोदी

वडोदरा/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में पिछली कांग्रेस नीत सरकार पर विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर मंगलवार को निशाना साधते हुए कहा कि नाराज फूफा अब संमिपत माल ढुलाई गलियारे के ट्रक चालकों पर पड़ने वाले असर को लेकर सवाल उठाएंगे। मोदी ने गुजरात के वडोदरा में आयोजित एक कार्यक्रम में 35,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, भारत ने 2014 के बाद 50,000 आधुनिक रेल कोच बनाए। पिछली (कांग्रेस) सरकार 10 साल में 50,000 शौचालय भी नहीं बना सकी। मोदी ने पश्चिमी संमिपत माल ढुलाई गलियारे के तीन प्रमुख खंडों का उद्घाटन किया। यह गलियारा नवी मुंबई के जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह को उत्तर प्रदेश के दादरी से जोड़ता है। इन खंडों के उद्घाटन के साथ ही यह परियोजना पूरी हो गई। मोदी ने कहा, संमिपत माल ढुलाई गलियारे तेजी से विकसित हो रहे भारत की जीवनरेखा हैं। इस आधुनिक माल ढुलाई नेटवर्क के कारण भारत में बदलाव की रफ्तार तेज हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले यात्री और मालगाड़ियों को एक ही रेल पटरी पर चलना पड़ता था, जिससे यात्री और माल परिवहन दोनों की रफ्तार धीमी होती थी लेकिन संमिपत माल ढुलाई गलियारे ने इस स्थिति को बदल दिया है। मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, अब नाराज फूफा चिल्लाएंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा? फूफा को अब कुछ काम मिल गया है। उन्होंने कहा, मैं

2014 के बाद आपके आशीर्वाद से जब दिल्ली पहुंचा तो वहां पहुंचते ही हमने इस परियोजना के काम में तेजी लानी शुरू कर दी। आज संमिपत माल ढुलाई गलियारे का काम पूरा हो गया है। मोदी ने कहा, आज पूर्वी और पश्चिमी माल ढुलाई गलियारे देश के व्यापार और कारोबार की रीढ़ बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2,800 किलोमीटर लंबा संमिपत माल ढुलाई गलियारा इस बात का प्रमाण है कि पिछले 12 वर्ष में देश की कार्यसंस्कृति किस तरह बदली है। मोदी ने कहा, इस संमिपत माल ढुलाई गलियारे का विचार 2004 में सामने आया था। इस काम के लिए 2006 में एक विशेष कंपनी बनाई गई लेकिन 2014 तक फाइलें एक जगह से दूसरी जगह घूमती रहीं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से इन फाइलों की किस्मत में भी कोई संमिपत गलियारा नहीं था। फाइलें कहीं अटक जाती थीं, कहीं पड़ी रहती थीं और इधर-उधर भटकती रहती थीं। पीएम मोदी ने वडोदरा के लोगों की तारीफ करते हुए कहा, इस विकास पर्व में आप सभी ने जिस सेवाभाव से पूरे वडोदरा शहर में स्वच्छता से स्वागत अभियान चलाया है, इसके लिए मैं वडोदरा के हर एक नागरिक को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं और उनकी सराहना करता हूं। जिस तरह से आपने 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान चलाया है, उसके लिए भी मैं आपको बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि हर परिवार में स्वच्छता का वातावरण बन गया है।

पीएम मोदी के कार्यक्रम से पहले मुंबई में बड़ी सुरक्षा चूक, पीएमओ के फर्जी आईडी और बंदूक के साथ 2 संदिग्ध गिरफ्तार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से ठीक पहले मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। शहर के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एक संदिग्ध ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जुड़े होने का दावा किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तलाशी के दौरान उसके पास से पीएमओ का फर्जी पहचान पत्र भी जब्त किया गया है। नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने जब संदिग्धों की जांच की तो एक के पास से फर्जी पहचान पत्र मिला। जानकारी के मुताबिक, दूसरे संदिग्ध के पास से एक बंदूक भी बरामद किया गया है।

राहुल, प्रियंका से मिले पायलट

विधानसभा चुनावी.... रणनीति पर की चर्चा

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पंजाब मामलों के प्रभारी नियुक्त किए जाने के कुछ दिन बाद पार्टी महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की तथा विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। पायलट ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के '10 जनपथ' स्थित आवास पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में पंजाब में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और विधानसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक के बाद पायलट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी और महासचिव प्रियंका गांधी जी से मुलाकात की और पंजाब की जिम्मेदारी सौंपने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

नई दिल्ली में, दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक इमारत गिरने के बाद, आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन से जुड़े छात्र दिल्ली यूनिवर्सिटी और आस-पास के कॉलेजों में हॉस्टल की सुविधा की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन करते हुए ।

टीएमसी सांसद सौगत रॉय का हमला

बागेश्वर को खान-पान पर टिप्पणी का अधिकार नहीं

नई दिल्ली। नवरात्रि के दौरान मांसाहार न करने के बाबा बागेश्वर के बयान समेत कई मामलों पर टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने अपने विचार साझा किए। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि बागेश्वर बाबा कहां से आए हैं या वे कौन हैं। उन्हें बंगालियों के खान-पान पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। जहां तक बंगालियों की बात है, स्वामी विवेकानंद खुद मांस खाते थे। विवेकानंद से बड़ा शायद ही कोई बंगाली संत हुआ हो। इसलिए मैं बागेश्वर बाबा की टिप्पणियों की निंदा करता हूं। सौगत रॉय ने कहा, हम पार्टी के अंदर इस पर चर्चा कर रहे हैं। चुनाव चिह्न को लेकर एक मुद्दा है, क्योंकि चुनाव आयोग ने अभी तक कोई चिह्न आवंटित नहीं किया है। मुझे विश्वास है कि यह मुद्दा सुलझ जाएगा। कालीघाट मंदिर को लेकर सौगत रॉय ने कहा कि कालीघाट मंदिर के अध्यक्ष जिला जज हैं।

बॉम्बे कोर्ट ने केस रद्द करने से किया

चौकीदार चोर है.....टिप्पणी केस में बढ़ी राहुल गांधी की मुश्किलें!

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर मानहानि मामले में कांग्रेस सांसद को झटका दिया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ मजिस्ट्रेट की ओर से जारी 2019 के समन को रद्द करने से इनकार कर दिया है। दरअसल ये पूरा मामला 8 साल पुराना है। शिकायतकर्ता बीजेपी कार्यकर्ता महेश श्रीश्रीमाल का आरोप था कि सितंबर 2018 में राहुल गांधी ने राजस्थान में एक रैली की में

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ मानहानि वाले बयान दिए थे। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'चोरों के सरदार' और 'कमांडर-इन-थीफ' कहा था। राहुल गांधी के खिलाफ महेश श्रीश्रीमाल ने गिरगांव मजिस्ट्रेट कोर्ट में मानहानि का केस दायर किया था। इसके बाद मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अगस्त 2019 में राहुल गांधी को पेश होने का समन भेजा था। जुलाई 2021 में समन मिलने के बाद राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी थी। राहुल गांधी ने तर्क दिया था कि बीजेपी कार्यकर्ता की तरफ से दायर शिकायत कानूनी रूप से मान्य नहीं थी। उनका कहना था कि उन्होंने पार्टी का नाम नहीं लिया था और न ही किसी पहचान योग्य या निश्चित वर्ग को निशाना बनाया। ऐसे में कोई भी व्यक्ति या समूह स्पष्ट रूप से पीड़ित नहीं है। बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील एडवोकेट जनरल मिलिंद साठे ने कहा कि प्रथम दृष्टया अपराध का मामला बनता है।

यूपी समेत 5 राज्यों में चुनावी बिगुल जल्द! जनगणना के फैसले से फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव के संकेत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में जनगणना का काम आगे बढ़ाने तथा मणिपुर में जनगणना के पहले चरण को टालने के केंद्र के फैसले से इन पांच राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश समेत पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में कराए जा सकते हैं। इन पांच राज्यों में सबसे पहले मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 13 मार्च 2027 को समाप्त होगा। इसके बाद गोवा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च, पंजाब का 16 मार्च और उत्तराखंड का 18 मार्च को खत्म होगा।

सीएम रेखा गुप्ता ने पीड़ितों से की मुलाकात

परिवारों को दिया हर संभव मदद का दिया आश्वासन....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को 6 सितंबर को सत्य निकेतन बिल्डिंग गिरने के घायलों से मिलने एम्स हॉस्पिटल गईं। इस दौरान उन्होंने पीड़ितों के परिजनों से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार पीड़ितों के परिवारों को सबसे अच्छी चिकित्सा देखभाल और वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस बिल्डिंग में सात लोगों की मौत हुई थी, उसके पास वाली बिल्डिंग को अनसेफ घोषित कर दिया गया है और उसे जल्द ही गिरा दिया जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने मीडिया से बात करते

हुए कहा कि, हादसे में मरने वालों में से दो मजदूर थे, जबकि घटना में घायल एक और मजदूर का एम्स में इलाज चल रहा है और पैर में गंभीर चोट लगने के बावजूद वह अभी ठीक है। उन्होंने कहा मैं घायल बच्चों से मिली हूं। उनकी हालत स्थिर है और उन्हें आज को छुट्टी दे दी जाएगी, जबकि एक और बच्चे का आईसीयू में इलाज चल रहा है और उसकी हालत ज्यादा गंभीर है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एम्स में घायल बच्चों के माता-पिता से भी मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर मुमकिन चिकित्सा सहायता और सपोर्ट देगी। उन्होंने कहा, मैं माता-पिता से भी मिली हूँ। स्थिति को देखते हुए हमने उन्हें भरोसा दिलाया है कि सबसे अच्छी मेडिकल देखभाल दी जाएगी और सरकार पूरी मदद और सहायता देगी।

तेलंगाना विधानसभा में हंगामा

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष को पुलिस ने हिरासत में लिया गया

- बीआरएस के गिरफ्तार एमएलसी ने पुलिस की गाड़ी पर चढ़ लगाए नारे

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एमएलसी टी मधुसूदन राव उर्फटाटा मधु और एन नवीन कुमार रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को नारायणगुडा पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं को सैफ्बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वे पुलिस के गाड़ी पर चढ़ कर प्रदर्शन कर रहे थे। इसके साथ ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार से उनके चैंबर में मुलाकात की। उन्होंने विधानसभा सत्र के पहले दिन हुई हंगामेदार घटनाओं के बाद उन्होंने स्पीकर के प्रति एकजुटता दिखाई। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) को मंगलवार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया था कि तेलंगाना पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के आवास की ओर जाने में सुविधा दे रही थी। केटीआर ने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को केसीआर के आवास की ओर जाने की अनुमति दी जा रही थी, वहीं बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा रोका जा रहा था। केटीआर ने कहा, 'पुलिस शहर से निकाले गए कांग्रेसी

गुंडों और उपद्रवियों की मदद कर रही है और उन्हें सीधे केसीआर के आवास तक ले जा रही है।' इन दोनों एमएलसी को तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार के खिलाफ कथित टिप्पणियों के मामले में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद, बीआरएस नेताओं ने पार्टी के एमएलसी टाटा मधु और नवीन कुमार रेड्डी की रिहाई की मांग करते हुए मंगलवार को नारायणगुडा पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, टाटा मधु को मंगलवार सुबह 7 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार के बाद उन्हें नारायणगुडा पुलिस स्टेशन लाया गया और अब उन्हें न्यायिक हिरासत के लिए नामपल्ली, हैदराबाद की एडिशनल चीफज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जा रहा है। वहीं, मंगलवार को विधानसभा पहुंचने के तुरंत बाद, रेवंत रेड्डी अध्यक्ष के कक्ष में गए और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने पिछले दिन की घटनाओं पर खेद व्यक्त किया और अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ खड़ी रहेगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि कथित कदाचार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून और विधानसभा प्रक्रियाओं के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। सत्ताधारी कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सत्र के पहले दिन बीआरएस के कुछ नेताओं की अधिकारियों के साथ बहस हुई।

मां के अपमान पर तेलंगाना विधानसभा स्पीकर बिलख-बिलखकर रो पड़े

मां के अपमान पर तेलंगाना विधानसभा स्पीकर गद्दाम प्रसाद कुमार कार्यवाही के दौरान ही बिलख-बिलखकर रो पड़े। यह पूरा वाकया तेलंगाना विधानसभा मानसून सत्र के पहले दिन ही हुआ। स्पीकर गद्दम प्रसाद भावुक हो गए। उनकी आंखों में आंसू आ गए और वह सदन में ही रो पड़े। यह घटना तब हुई जब मंत्री सीताक्का ने एमएलसी टाटा मधु द्वारा स्पीकर की दिवंगत मां के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा की। मामले में पुलिस ने बीआरएस एमएलसी टी. मधुसूदन को गिरफ्तार कर लिया। मामल को लेकर विधानसभा के अंदर से लेकर बाहर तक जमकर हंगामा हुआ। तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने इसे इतिहास का काला दिन बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक फार्महाउस में बीआरएस विधायक दल की बैठक आयोजित की गई थी।

आरा चलता रहा, सागौन कटता रहा : निगम सोता रहा, पीओआर होता रहा

कवर्धा। वन विकास निगम के तरेगांव रेंज में जंगल की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मगरवाड़ा नदी किनारे 6-7 सितंबर की दरम्यानी रात कथित रूप से चार वर्षों पुराने सागौन के पेड़ों को आरा से काटकर पिकअप वाहन में भरकर ले जाने का मामला सामने आया है। मौके पर पिकअप वाहन के टायरों के स्पष्ट निशान बताए जा रहे हैं। सड़क किनारे हुई इस कथित कटाई ने निगम की निगरानी व्यवस्था की पोल खोलने के साथ कई सवाल खड़े कर दिए हैं। रात में आरा चला, पेड़ कटे और पिकअप लकड़ी लेकर निकल गई। लेकिन वन अमले को इसकी भनक तक नहीं लगी—यह सवाल अब सबसे बड़ा है। जिस स्थान पर वाहन के आने-जाने के निशान तक मौजूद बताए जा रहे हैं, वहां नियमित गश्त और निगरानी व्यवस्था आखिर कहां थी? स्थानीय स्तर पर क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई को लेकर लगातार शिकायतें और चर्चाएं सामने आती रही हैं। आरोप है कि तस्कर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर वर्षों पुराने सागौन के पेड़ों को आरा से काटते हैं और पिकअप वाहनों के जरिए लकड़ी को जंगल से बाहर निकाल देते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो मामला केवल चार पेड़ों की कटाई का नहीं, बल्कि वन संपदा की लगातार हो रही लूट का है।

सबसे गंभीर सवाल निगम की कार्रवाई को लेकर है। आरोपियों की पहचान और तस्करी के नेटवर्क तक पहुंचने के बजाय कार्रवाई यदि अज्ञात पीओआर तक सीमित रह जाए तो तस्करों में भय कैसे पैदा होगा। पीओआर दर्ज करना कार्रवाई की शुरुआत हो सकती है, लेकिन उसे अंतिम कार्रवाई मान लेना जंगल की सुरक्षा के लिए पर्याप्त नहीं है। मौके पर मिले बताए जा रहे टायरों के निशान जांच के लिए अहम कड़ी हो सकते हैं। पिकअप वाहन की पहचान, कटाई में इस्तेमाल औजार, लकड़ी के संभावित परिवहन मार्ग और अवैध लकड़ी के खरीदारों तक जांच पहुंचाना जरूरी है। सवाल यह भी है कि काटी गई लकड़ी आखिर कहां पहुंचाई गई और उसे किसने खरीदा। मगरवाड़ा नदी किनारे सड़क से लगे जंगल में यह हाल है तो अंदरूनी बीहड़ जंगल की सुरक्षा व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर सड़क किनारे वन संपदा सुरक्षित नहीं है तो दूरदराज के जंगलों में तस्करों पर निगरानी किस स्तर की है, यह निगम को स्पष्ट करना होगा। सागौन के वर्षों पुराने पेड़ तैयार होने में दशकों लगते हैं। उनकी अवैध कटाई से वन संपदा को नुकसान पहुंचने के साथ निगम को आर्थिक क्षति की भी आशंका रहती है। ऐसे में हर घटना को महज कागजी कार्रवाई तक सीमित रखना गंभीर विषय है।

अब निगम के सामने असली चुनौती सिर्फ पीओआर दर्ज करने की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने और तस्करी की जड़ तक पहुंचने की है। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि घटना की जानकारी विभाग को कब मिली, मौके पर कौन पहुंचा, कितने पेड़ों की कटाई हुई, लकड़ी की अनुमानित मात्रा कितनी है और पिकअप वाहन की पहचान के लिए क्या कार्रवाई की गई। मगरवाड़ा की घटना ने फिर सवाल खड़ा कर दिया है—जंगल में आरा चलता रहेगा और निगम के कागजों में सिर्फ पीओआर दर्ज होता रहेगा, या अब तस्करों के खिलाफ जमीन पर भी निर्णायक कार्रवाई होगी।

लाखों रुपए की लागत से खरीदा गया काऊ कैचर वाहन नगर पालिका कार्यालय में धूल खा रहा

दल्ली राजहरा। नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा की लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण शहर की सड़कों पर देखने को मिल रहा है। लाखों रुपए की लागत से खरीदा गया काऊ कैचर वाहन नगर पालिका कार्यालय में धूल खा रहा है, जबकि लावारिस मवेशियों ने पूरे शहर की सड़कों पर कब्जा कर रखा है। ताजा तस्वीरें नगर के मुख्य मार्ग की हैं, जहां रात के समय सड़क पर 20 से 25 लावारिस मवेशी बीच सड़क पर बैठे रहे। इससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रात के अंधेरे में मवेशियों के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम होते ही गाय और बैलों के झुंड सड़कों पर आकर बैठ जाते हैं। वाहन चालकों को अपनी गाड़ी की लाइट से और हार्न बजाकर उन्हें हटाने का प्रयास किया जाता हैं। कई बार तो बाइक सवार इन मवेशियों से टकराकर घायल भी हो चुके हैं। लेकिन नगर पालिका इस ओर ध्यान नहीं दे रही।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगर पालिका के पास मवेशियों को पकड़ने के लिए लाखों रुपए का काऊ कैचर मौजूद है तो उसका उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा? क्या सिर्फ शो-पीस बनाकर खड़े रखने के लिए उसे खरीदा गया है? जनता के टैक्स के पैसे की ?सी बर्बादी पर लोग आक्रोशित हैं। लोगों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन को जनता की जान की कोई परवाह नहीं है। शहर में मवेशियों की समस्या, गंदगी, टूटी सड़कों को लेकर कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। रात के समय मवेशियों के सड़क पर बैठने से सबसे ज्यादा खतरा दो पहिया वाहन चालकों, कमजोर नजर वालों और बुजुर्गों को होती है। अचानक सामने मवेशी आ जाने से ब्रेक लगाने पर वाहन फिसल जाता है और गंभीर दुर्घटना हो जाती है। नगर पालिका क्या किसी बड़ी जनहानि का इंतजार कर रही है? स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार मवेशी नुकसान पहुंचा रहे हैं और बाजार क्षेत्र में दुकानों के सामने गंदगी फैला रहे हैं। इसके बावजूद नगर पालिका का अमला मूकदर्शक बना हुआ है। जनता ने मांग की है कि नगर पालिका प्रशासन तुरंत काऊ कैचर को सड़कों पर उतारे और मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजा जाए। साथ ही जो मवेशी मालिक अपने मवेशियों को खुला छोड़ रहे हैं, उन पर भी जुर्माना लगाया जाए। अब देखना होगा कि खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पालिका प्रशासन की नींद टूटती है या फिर इसी तरह जनता अपनी जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलने को मजबूर रहेगी।

शिक्षक दिवस के अवसर पर स्वामी आत्मानंद विद्यालय में बच्चों ने किया शिक्षकों का सम्मान

दल्ली राजहरा। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, दल्लीराजहरा में विद्यार्थियों द्वारा हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने गुरुजनों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि अजय छाजेड़ ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। एक शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने के साथ-साथ उन्हें अच्छे संस्कार और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों का सदैव सम्मान करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। प्रभारी प्राचार्य महेश कुमार गोरे ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक दिवस महान शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए अनुशासन, मेहनत और संस्कार को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। वार्ड पार्षद टी.ज्योति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक बच्चों के जीवन में माता-पिता के समान महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। शिक्षक बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सफलता की राह दिखाते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा समाज और बच्चों के भविष्य निर्माण में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर अजय छाजेड़, प्राचार्य महेश गोरे, शाला प्रबंधन समिति सदस्य राजेश मेश्राम,शाला विकास समिति अध्यक्ष रुकमणि कुशवाहा, वार्ड पार्षद टी. ज्योति व समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित थे।

जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का अवसर भी है : दीपेश साहू

कृष्ण जन्माष्टमी पर बेरला में उमड़ा उत्साह, विधायक दीपेश साहू ने यादव समाज के अतिरिक्त भवन का किया लोकार्पण

बेमेतरा। नगर पंचायत बेरला में यादव समाज एवं समस्त नगरवासियों के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य दही लूट एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में झेरिया यादव समाज तहसील बेरला के संरक्षक एवं गौसेवक गणेश यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद विधायक दीपेश साहू ने यादव समाज नगर पंचायत बेरला के अतिरिक्त भवन का विधिवत पूजा-अर्चना कर फीता काटकर लोकार्पण किया। भवन के लोकार्पण से समाज के सामाजिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए एक नए सुविधा केंद्र की उपलब्धता हुई है। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, कर्तव्य और लोककल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। जन्माष्टमी केवल उत्सव का पर्व नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का अवसर भी है। उन्होंने यादव समाज को अतिरिक्त भवन के लोकार्पण की बधाई देते हुए कहा कि यह भवन समाज की एकता, सामाजिक गतिविधियों और आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी साबित होगा। उन्होंने सभी नगरवासियों एवं यादव समाज के लोगों को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि और उनकी लीलाओं से जुड़ी हमारी सांस्कृतिक परंपराएं समाज को एकजुट करने का काम करती हैं। उन्होंने यादव समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में दही लूट उत्सव को लेकर युवाओं एवं बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक उल्लास और कृष्ण भक्ति के बीच आयोजित दही लूट ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। बड़ी संख्या में नगरवासी कार्यक्रम में शामिल हुए और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल राजदेशलहरा, बलराम यादव, सुकालू यादव, अमृतलाल महेश्वरी, लक्ष्मी लता वर्मा, पुरुषोत्तम यादव, किशुन लाल साहू, एन के. तिवारी, डामन साहू, कन्हैया सेन एल्डरमैन प्रतिमा राजपूत एल्डरमैन,कुंती यादव, उकेंद्र साहू, लक्ष्मीराम यादव, रमेश साहू, दयानंद यादव, प्रमोद यादव, अंजनी पाटिल, तीरथ यादव, परदेसी यादव, रामेश्वर यादव, अमलेश यादव, सरजू यादव, लक्ष्मी यादव, प्रमोद यादव, संजय यादव, भुनेश्वर यादव, भूपेश, डिकेश, सुशील, राहुल, चेतन, धनेश, विक्रम, गोपी, कुमारी सरिता, कुमारी नेहा, शांतिलाल, मोहन यादव सहित समस्त जनप्रतिनिधिगण, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा यादव समाज के सम्माननीय सदस्य उपस्थित रहे। कृष्ण जन्माष्टमी के इस भव्य आयोजन ने बेरला में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक उत्साह का सुंदर संदेश दिया।

झीरम का फैसला आया, मगर साजिश का सच अब भी दबा, कांग्रेस ने उठाए तीखे सवाल

कवर्धा। झीरम घाटी नरसंहार पर एनआईए की विशेष अदालत के फैसले के बाद कांग्रेस ने जांच की दिशा और उसके अधूरे पहलुओं को लेकर सरकार और जांच एजेंसी पर तीखा हमला बोला है। जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम ने अदालत के फैसले का सम्मान करते हुए इसे आधा-अधूरा न्याय करार दिया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि 25 मई 2013 के उस खूनी हमले में 32 लोगों की शहादत के बावजूद घटना के पीछे की पूरी साजिश और कथित राजनीतिक षड्यंत्र का सच अब तक सामने नहीं आया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि अदालत ने जांच एजेंसी के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर फैसला दिया है, लेकिन इससे जांच से जुड़े मूल सवाल खत्म नहीं हो जाते। उन्होंने आरोप लगाया कि झीरम की जांच में राजनीतिक षड्यंत्र और बड़े नक्सली नेतृत्व की भूमिका की पर्याप्त पड़ताल नहीं हुई। उन्होंने सीधे सवाल उठाए कि कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा क्यों हटाई गई? मार्ग किसके निर्देश पर बदला गया? हमले की योजना किसने तैयार की और उसके पीछे कौन लोग थे? कांग्रेस का कहना है कि इन सवालों के जवाब आज भी जनता के सामने नहीं हैं। जायसवाल ने एनआईए की शुरुआती जांच में सामने आए कुछ प्रमुख नक्सली नेताओं के नाम बाद की चार्जशीट में नहीं होने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गणपति उर्फ मुपल्ला लक्ष्मण राव, रमन्ना और अन्य फरार आरोपियों से जुड़े नामों में बदलाव का कारण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। देवा उर्फ सुक्का एलियास तथा बाद में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों से झीरम मामले में पूछताछ हुई या नहीं, इसका भी खुलासा होना चाहिए। पूर्व विधायक ममता चंद्राकर ने कहा कि अलग-अलग समय पर आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों से झीरम को लेकर पूछताछ हुई या नहीं, यह स्पष्ट किया जाए। उन्होंने चैतू उर्फ श्याम दादा, रूपेश उर्फ मोल्ला राजिरड्डी और निर्मला उर्फ सुमित्रा का उल्लेख करते हुए जांच के निष्कर्ष सामने लाने की मांग की। किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी ने भूपति उर्फ सोनू दादा और केंद्रीय समिति सदस्य सुजाता के आत्मसमर्पण का उल्लेख करते हुए पूछा कि क्या उनसे झीरम हत्याकांड को लेकर पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि यदि बड़े नक्सली नेताओं के पास घटना से जुड़ी जानकारी थी तो जांच में उनकी भूमिका स्पष्ट क्यों नहीं की गई। कांग्रेस ने घायल और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों, घटनास्थल से मिले दस्तावेजों तथा मोबाइल फोन की जांच को लेकर भी सवाल खड़े किए। साथ ही एसआईटी की जांच में आई कानूनी अड़चनों और उसके लंबे समय तक आगे नहीं बढ़ने पर जवाबदेही तय करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि झीरम सिर्फ एक हत्याकांड नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के लोकतंत्र पर हमला था। शहीदों को पूर्ण न्याय तभी मिलेगा, जब हमले की पूरी साजिश, उसके सूत्रधार और हर स्तर की भूमिका निष्पक्ष जांच में सामने आए। अदालत के फैसले का सम्मान रहेगा, लेकिन झीरम के पूरे सच की लड़ाई जारी रहेगी।

'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर आयोजित हुई राज्य स्तरीय ऑनलाइन बहुविकल्पीय ज्ञान प्रतियोगिता

दल्ली राजहरा। आदिवासी युवा छात्र संगठन, छत्तीसगढ़ द्वारा एवायएसयू स्थापना दिवस' एवं 'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय ऑनलाइन बहुविकल्पीय ज्ञान प्रतियोगिता में चिखलाकसा (दल्लीराजहरा) वार्ड क्रमांक 10 इंदिरा कॉलोनी के निवासी आशीष कुमार गुप्ता ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। उन्होंने प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने क्षेत्र और परिवार का नाम पूरे राज्य में रोशन किया है। मूलनिवासी महापुरुषों के जीवन, उनके सामाजिक योगदान, त्याग और छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से इस वृहद प्रतियोगिता का आयोजन 16 अगस्त को ऑनलाइन माध्यम से किया गया था। राज्य भर से सैकड़ों प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया, जिसमें आशीष कुमार गुप्ता ने अपनी उत्कृष्ट तैयारी और बौद्धिक क्षमता का परिचय देते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। आशीष कुमार गुप्ता को द्वितीय पुरस्कार स्वरूप सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस परीक्षा में शहीद वीर नारायण सिंह, भगवान बिरसा मुंडा, अमर शहीद गेंद सिंह, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, माता सावित्रीबाई फुले, रानी दुर्गावती जैसे महान क्रांतिकारियों के जीवन परिचय सहित छत्तीसगढ़ जनजातीय विवाह परंपरा एवं छत्तीसगढ़ सामान्य ज्ञान पर आधारित कठिन प्रश्न पूछे गए थे। आशीष कुमार गुप्ता की इस शानदार सफलता पर चिखलाकसा एवं दल्लीराजहरा क्षेत्र में खुशी की लहर है। नगर पंचायत चिखलाकसा अध्यक्ष कुंती देवांगन,उपाध्यक्ष राजू रावटे, समस्त पार्षदगण व एल्डरमैनगण, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, मित्रों और परिजनों ने बधाई दी। तथा उनके उज्ज्वल एवं स्वर्णिम भविष्य की कामना की है। आयोजक संगठन एवायएसयू-सीजी ने भी सभी सफल प्रतिभागियों को बधाई देते हुए समाज और इतिहास से जुड़ने के इस प्रयास की सराहना की है।

उड़ान कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, गूंजा संदेश...हर बच्चा अनोखा है

राजनांदगांव। रेनबोव फिंगर्स वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा पद्मश्री गोविंद राम निर्मलकर ऑडिटोरियम में उड़ान हर बच्चा अनोखा है कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के लिए लगभग 56 बच्चों का पंजीयन हुआ, जिनमें करीब 40 बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य न्यूरोडायवर्जेंट बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना तथा समाज में जागरूकता, स्वीकार्यता और समावेश की भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत क्रिएटिव कलरिंग एक्टिविटी से हुई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन बच्चों को ट्रॉफी एवं उपहार प्रदान किए गए। इसके बाद बच्चों ने डांस, स्पीच, मास टेबल, भजन, मंत्र और प्रार्थना सहित विभिन्न प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। सभी सहभागी बच्चों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र एवं गिफ्ट हैम्पर देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आयोजित अभिभावक- विशेषज्ञ संवाद में बाल रोग, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी एवं क्लिनिकल साइकोलॉजी के विशेषज्ञों ने अभिभावकों के सवालों का जवाब देते हुए बच्चों के विकास एवं देखभाल से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया। संवाद में डॉ. सौरभ मोहबे, डॉ. अनिमेष गांधी, डॉ. राकेश रामटेके, डॉ. सीतेश्वरी साहू, डॉ. पूजा सरवान, श्रीमती रजनी राठी, मोहम्मद सरताज एवं डॉ. श्रीदेवी गोडीशाला की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। फाउंडेशन की संस्थापक श्रद्धा वर्मा ने कहा हर बच्चा अपनी तरह से अनोखा है। हमें बच्चों को उनकी चुनौतियों से नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और क्षमताओं से देखना होगा।

'पाटन में सजा तीज का भव्य दरबार, हजारों सामाजिक जनों की मौजूदगी में गूंजे छत्तीसगढ़ी गीत'

तीज के रंग में रंगा पाटन, साहू समाज की महिलाओं ने दिखाई संस्कृति की समृद्ध छटा

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन के तत्वावधान में महिला प्रकोष्ठ संयोजिका के नेतृत्व में 6 सितंबर 2026 को तहसील स्तरीय तीज महोत्सव एवं तीज मिलन समारोह 2026 का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भक्त माता कर्मा एवं नदिया बैल की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। तीज मिलन समारोह में छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री रामशिला साहू एवं जिला साहू संघ अध्यक्ष नंदलाल साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश साहू संघ महिला संयोजिका दिव्या कलिहारी ने की। विशेष अतिथियों में शिल्पा साहू, सह-संयोजिका महिला प्रकोष्ठ प्रदेश साहू संघ, कल्पना नारद साहू, जिला पंचायत सभापति, चाँदिका साहू, कार्यकारिणी सदस्य प्रदेश साहू संघ, मंजू साहू, उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, ललेश्वरी साहू, महिला संयोजिका जिला साहू संघ तथा दामिनी राकेश साहू, जनपद सदस्य पाटन शामिल रहीं। महिलाओं की सहभागिता ने कार्यक्रम को बनाया भव्य- स्वागत भाषण तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने दिया। उन्होंने तीज मिलन समारोह में समाज के महिला-पुरुषों की बड़ी संख्या में सहभागिता पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पांचों परिक्षेत्र सहित 99 इकाइयों की महिला पदाधिकारियों एवं सामाजिक बहनों के विशेष सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ। तीज महोत्सव में महिलाओं के लिए विभिन्न आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए। छत्तीसगढ़ी पारंपरिक खेल, गीत-संगीत, पारंपरिक व्यंजनों की बगिया तथा भक्त माता कर्मा की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।साथ ही पारंपरिक वशभूषा प्रतियोगिता में तीज क्वीन के रूप में प्रथम स्थान तेलीगुंडरा परिक्षेत्र से विभा साहू और द्वितीय स्थान पर रही बेल्हारी परिक्षेत्र से ज्योति साहू साथ ही अन्य तीन तीज क्वीन को भी सम्मानित किया किया। लालेश्वर साहू ने कहा कि तीज महोत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर है। ऐसे आयोजनों से समाज की महिलाओं को अपनी प्रतिभा और संस्कृति को प्रदर्शित करने का मंच मिलता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने कहा कि समाज में सहभागिता हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि समाज को संस्कारवान और मजबूत बनाना है तो प्रत्येक व्यक्ति को समाज से जुड़कर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और अपने भविष्य का निर्धारण करना होगा। उन्होंने कहा कि साहू समाज को केवल रोटी-बेटी के संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि रूढ़िवादी परंपराओं से हटकर आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

शादी-विवाह, मृत्यु संस्कार एवं जन्मोत्सव जैसे आयोजनों में अनावश्यक खर्च को कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने विवाह समारोहों में साड़ी जैसे उपहारों के आदान-प्रदान की परंपरा को कम करने की अपील करते हुए कहा कि यह सोचने के बजाय कि हमें उपहार मिला है तो हमें भी देना है, समाज को खर्च कम करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

पीएस मचानपार में विद्यार्थियों ने की गुरुवंदना, शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का भव्य अभिनंदन

डोंगरगांव नगर। ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला मचानपार में सभी पालकों एवं बच्चों के द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया। स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा सभी गुरुजनों का गुलाल लगाकर व पुष्पगुच्छ भेंट करके चरणवन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। बच्चों के द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से भी गुरुवंदना की गई। सर्वप्रथम संस्था के प्रधानपाठक श्वेता श्रीवास्तव का पालकों एवं बच्चों ने शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। इसी क्रम मे सुलोचना व दीप्ति पटेल का श्रीफल भेंटकर बच्चों के द्वारा अभिनंदन किया गया। संस्था के प्रधान पाठक श्वेता श्रीवास्तव ने कहा कि सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन शिक्षक थे। उन्होंने अपने जन्म दिवस को देश के सभी शिक्षक को समर्पित कर दिया तब से लेकर पूरे देश में सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के तौर पर मनाते आ रहे हैं। कार्यक्रम मे शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित गणमान्यजन शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी से अवैध संबंध के शक में युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार,गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में चाकूबाजी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गुढियारी थाना क्षेत्र में अवैध संबंध के शक में एक पति ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, यह मामला गुढियारी थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि आरोपी सेवाराम साहू को अपनी पत्नी के संबंधों को लेकर युवक उमेंद्र वर्मा पर शक था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान सेवाराम साहू ने उमेंद्र वर्मा पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने युवक के सिर पर चाकू से लगातार वार किए। हमले में उमेंद्र वर्मा के सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह खून से लथपथ हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही गुढियारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस लगातार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। गुढियारी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू कहां से आया और घटना के समय आरोपी के साथ कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में चाकूबाजी और हथियारबंद अपराधों पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों पर नजर रखी जा रही है।

जातिगत जनगणना के मौजूदा प्रारूप पर कांग्रेस का बड़ा हमला, सही गिनती के बिना सामाजिक न्याय अधूरा

रायपुर । जातिगत जनगणना के मौजूदा प्रारूप को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता नाना भाऊ पटोले ने रायपुर में पत्रकार वार्ता के दौरान मौजूदा प्रश्नावली को दोषपूर्ण बताते हुए इसे रद्द करने की मांग की। पटोले ने कहा कि जातिगत जनगणना में ओपन-एंडेड सवालों की जगह प्रमाणित जातियों की ड्रॉपडाउन सूची होनी चाहिए। कांग्रेस का आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था में एक ही जाति के अलग-अलग नाम, उपजाति और वर्तनी दर्ज होने से आंकड़ों में बड़ी विसंगतियां पैदा हो सकती हैं। कांग्रेस ने तेलंगाना और बिहार में अपनाई गई पद्धति के आधार पर नई प्रश्नावली तैयार करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से व्यापक चर्चा के बाद ही नई प्रश्नावली तैयार की जानी चाहिए। नाना भाऊ पटोले ने दावा किया कि मौजूदा प्रारूप में ओबीसी आबादी की सही तस्वीर सामने नहीं आ पाएगी, क्योंकि प्रश्नावली में पिछड़ा वर्ग शब्द तक शामिल नहीं है। कांग्रेस के मुताबिक गलत आंकड़ों का सबसे ज्यादा नुकसान ओबीसी, ईबीसी और वंचित वर्गों को हो सकता है। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जब केंद्र और राज्य सरकारों के पास जातियों की सूचियां मौजूद हैं, तो जातिगत जनगणना में ड्रॉपडाउन सूची का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत भी मौजूद रहे। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से जातिगत जनगणना की प्रक्रिया में जरूरी सुधार करने की मांग करते हुए कहा कि सही गिनती, सही आंकड़े और सही हिस्सेदारी ही सामाजिक न्याय का आधार है।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार किया

रायपुर। विवरण ङ्क प्रार्थी दया शंकर पटेल ने थाना गोलबाजार में रिपोर्ट दर्ज करायी कि दिनांक 17.10.2025 को वह अपनी मो.सा. वाहन क्रमांक सीजी-06-एचबी-8950 को जय स्तंभ चौक किराण होटल के सामने खड़ी कर लॉक कर गोल बजार गया था। वापस आकर देखा तो उक्त वाहन खड़ी किये गये स्थान पर नहीं था। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी की खड़ी उक्त दोपहिया वाहन को चोरी कर ले गया था, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना गोलबाजार में अपराध क्रमांक 175/2025 धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना गोलबाजार पुलिस द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ की जाकर घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन किया गया था। प्रकरण में मुखबीर लगाने के साथ ही अन्य माध्यमों से अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान टीम के सदस्यों को चोरी की वाहन एवं आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में शिव शंकर नेताम को पकड़कर पूछताछ करने पर उसके द्वारा वाहन चोरी की उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। आरोपी लकेश्वर उर्फ लकी साहू को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की वाहन क्रमांक सीजी-06-एचबी-8950 कीमती लगभग 25,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। गिरफ्तार आरोपी- लकेश्वर उर्फ लकी साहू पिता स्व. भागवत साहू उम्र 33 वर्ष पता ग्राम खटिया पार्टी खटियापाटी थाना बालौदा बाजार भाटापारा हाल पता संतोषी नगर थाना टिकरापारा रायपुर।

चाकू के दम पर दहशत फैलाने वाला बदमाश पुलिस के शिकंजे में

रायपुर। मिनी स्टेडियम के पास धारदार चाकू लहराकर राहगीरों में दहशत फैलाने वाले एक बदमाश का आतंक ज्यादा देर तक नहीं चल सका। मुखबिर की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को मौके से दबोच लिया गया । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर जिलेभर में गुंडा-बदमाशों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सिटी कोतवाली पुलिस नियमित पेट्रोलिंग कर आदतन अपराधियों और अड्डेबाजों पर पैनी नजर बनाए हुए थी। 4 सितंबर 2026 को मोबाइल के जरिए मिली मुखबिर सूचना में बताया गया कि मिनी स्टेडियम, गवर्नमेंट स्कूल के पास एक युवक खुलेआम धारदार चाकू लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज कुमार पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक गगन कुमार के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी। मौके से शेख ईमारान उर्फ शेख मुसा उर्फ गिलू, पिता शेख रमजान, उम्र 22 वर्ष, निवासी फजल बाड़ा, गांधी चौक के पास, थाना सिटी कोतवाली, जिला बिलासपुर को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक धारदार चाकू जब्त किया गया। प्रारंभिक पड़ताल में आरोपी का कृत्य आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत दंडनीय पाए जाने पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 502/26 दर्ज किया ।

जनसंचार विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास का शुभारंभ किया

पत्रकारिता में सत्य,तथ्य और जनहित सर्वोच्च प्राथमिकता हो-राज्यपाल

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र का उद्घाटन भी किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है। सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा के प्रसार और नारी सशक्तिकरण के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके नाम पर कन्या छात्रावास का नामकरण छात्राओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह छात्रावास दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी उच्च शिक्षा और प्रतिभा विकास में सहायक होगा। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन से मीडिया और पत्रकारिता के स्वरूप में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय में स्थापित मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र विद्यार्थियों को नई तकनीकों को समझने तथा उनके जिम्मेदार और प्रभावी उपयोग के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय के प्रेरणा स्त्रोत स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे जी की प्रतिमा में श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। उन्होंने स्व. ठाकरे जी के सानिध्य में बिताए गए अवसरों और प्रेरणादायी उद्धरणों को साझा किया। श्री डेका ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है और इसकी विश्वसनीयता बनाए रखना प्रत्येक पत्रकार का दायित्व है। समाचारों में तथ्य, सत्य और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। किसी भी व्यक्ति के संबंध में समाचार प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की पूर्ण पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि एक समाचार का प्रभाव व्यक्ति और समाज

दोनों पर पड़ सकता है। श्री डेका ने कहा कि सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में सूचनाओं का तेजी से प्रसार हो रहा है, लेकिन सोशल मीडिया पर उपलब्ध प्रत्येक सामग्री सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। ऐसे में पत्रकारों को तथ्यों की जांच-पड़ताल के बाद ही समाचारों को प्रसारित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। एक श्रेष्ठ पत्रकार वह नहीं जो सबसे पहले खबर दे, बल्कि वह है जो सही, तथ्यपरक और जिम्मेदारी के साथ खबर दे। राज्यपाल ने प्रिंट मीडिया के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एआई और सोशल मीडिया के आधुनिक दौर में भी प्रिंट मीडिया आज भी विश्वसनीय माध्यम समाज में बना हुआ है। पत्रकारिता को समाज के अंतिम व्यक्ति की आवश्यकताओं और समस्याओं को सामने लाने तथा व्यवस्था में आवश्यक सुधार के लिए अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन वे व्यापक रूप से पहचाने नहीं जा सके। ऐसे अनसुने नायक-नायिकाओं के कार्यों को समाचारों और लेखों के माध्यम से समाज के सामने लाने से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करने तथा कम से कम एक हजार विद्यार्थियों का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की आवश्यक मान्यता सुनिश्चित करने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति श्री मनोज दयाल ने स्वागत उद्बोधन दिया।

साय सरकार की अदूरदर्शिता से सड़कों पर बेजुबानों का जमावड़ा,हर दिन हो रहे हादसे

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार गौ माता की सुरक्षा के अपने वादे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने गौ माता की रक्षा और आम राहगीरों की सुरक्षित यात्रा के लिए पूरे प्रदेश में गोठान की वैज्ञानिक व्यवस्था बनाई थी। इससे आवारा मवेशी सड़कों से हटे थे, दुर्घटनाएं रुकी थीं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली थी। लेकिन साय सरकार ने सत्ता में आते ही दुर्भावना पूर्वक इस पूरी व्यवस्था को बंद कर दिया। आज उसी अदूरदर्शी निर्णय का दुष्परिणाम हम महासमुंद सहित पूरे प्रदेश की सड़कों पर देख रहे हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि आज हालात यह है कि जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 53, 353 सहित हर राज्य मार्ग और ग्रामीण सड़क पर पचास से सौ आवारा मवेशियों का झुंड दिन-रात बैठा रहता है। दिन में ये यातायात जाम का कारण बनते हैं और रात में तेज रफ्तार वाहनों के लिए मौत का कारण बन रहे हैं। इन बेजुबानों के साथ-साथ रोज हमारे निर्दोष नागरिक भी दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा रहे हैं। जो सरकार गाय के नाम पर वोट मांगती है, वह सड़क पर तड़प-तड़प कर मर रही गौ माता को बचाने के लिए कोई इंतजाम नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि सबसे दुर्भाग्यजनक है सरकार का अपनी जिम्मेदारी से भागना। सड़कों से मवेशी हटाने के लिए कोई स्थायी व्यवस्था करने के

बजाय सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत सचिवों और शहरी क्षेत्रों में नगर पालिका पर इसका भार डाल दिया है। आधी रात को, छुट्टी के दिन, रविवार को भी अधिकारियों द्वारा सचिवों को फोन कर हाईवे से जानवर खदेड़ने का फरमान सुनाया जा रहा है। यह आदेश सचिवों की जान के साथ खिलवाड़ है। रात के अंधेरे में जानवरों को खदेड़ते समय वे खुद तेज रफ्तार ट्रकों और बसों की चपेट में आ सकते हैं। विभाग में हमारी बहनें भी सचिव के पद पर हैं, क्या सरकार उनसे उम्मीद करती है कि वे आधी रात को हाईवे पर जाकर मवेशी भगाएंगी। पूर्व संसदीय सचिव ने सवाल किया कि क्या हाईवे प्राधिकरण, पुलिस और पशुपालन विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं है, केवल सचिव ही दोषी है। और मान लीजिए सचिव ने अपनी जान पर खेलकर मवेशी को सड़क से हटा भी दिया तो उसे रखेगा कहां। उसके चारे-पानी की व्यवस्था कौन करेगा। सरकार को यह अव्यवहारिक फरमानबाजी तुरंत बंद करनी चाहिए और जनहित में गोठान योजना को पुनः प्रारंभ कर हर ब्लॉक में बड़े कांजी हाउस की व्यवस्था करनी चाहिए।

समान नागरिक संहिता छत्तीसगढ़ में ड्राफ्टिंग तेज

- कुलपतियों ने जमीनी सर्वे और अकादमिक शोध पर दिया जोर

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता को व्यावहारिक, समावेशी और जन-उपयोगी बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा गठित यूसीसी समिति ने जन-परामर्श और विचार-विमर्श की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी कड़ी में समान नागरिक संहिता प्रारूप समिति द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री एम. के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार और सेवानिवृत्त प्राचार्या श्रीमती ज्योति रानी सिंह के समक्ष विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और भरण-पोषण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए कुलपति ने खुलकर अपनी राय रखी। बैठक में पारंपरिक सामाजिक मान्यताओं से लेकर आधुनिक वैधानिक सुधारों तक के कई अहम पहलुओं पर गहन मंथन हुआ। बैठक के दौरान प्रदेश के प्रमुख शिक्षाविदों और कुलपति ने कानून निर्माण की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें यूसीसी समिति ने ड्राफ्टिंग प्रक्रिया में प्राथमिकता से शामिल करने का आश्वासन दिया है। देश के प्रतिष्ठित विधिक संस्थानों में शामिल हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विवेकानंदन ने पावर पाईट प्रजेन्टेशन देकर समान नागरिक संहिता के संबंध में विस्तृत सुझाव दिए। उन्होंने एक मजबूत, निष्पक्ष और न्यायसंगत मसौदा तैयार करने के लिए हर संभव तकनीकी और कानूनी सहयोग देने के लिए हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिबद्धता जताई। एक ऐसा कानून है जो देश के सभी नागरिकों के लिए धर्म, जाति या लिंग के भेदभाव के बिना विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे मामलों में एक जैसे नियम तय करता है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार देना और विशेषकर महिलाओं के लिए न्याय व समानता सुनिश्चित करना है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला ने ड्राफ्ट को शोध-आधारित बनाने के लिए समाजशास्त्र, मानवशास्त्र तथा विधि विभागों के विशेषज्ञों एवं शोधकर्ताओं के इनपुट्स को शामिल करने पर बल दिया। प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक जमीनी सर्वे कराने और आम जनता से सीधे प्रतिक्रिया (जन-फीडबैक) लेने का सुझाव दिया गया, ताकि कानून राज्य की वास्तविक परिस्थितियों और जन-आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार हो सके। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज दयाल ने भी इस संबंध में सुझाव दिए।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक ललिता रजक की बदली जिंदगी

रायपुर/ संवाददाता

कोरबा नगर निगम क्षेत्र के कोसाबाड़ी स्थित कबीर बाग के पीछे रहने वाली श्रीमती ललिता रजक पति परदेसी रजक के लिए पक्का मकान कभी एक सपना हुआ करता था। परिवार की आर्थिक परिस्थितियों के कारण अपने पक्के घर का सपना पूरा करना आसान नहीं था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) परिवार के लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। हितग्राही श्रीमती ललिता बताती हैं, पहले पक्के मकान का सपना मन में था, लेकिन उसे पूरा करने की चिंता भी रहती थी। योजना का लाभ मिला तो लगा कि अब हमारा अपना पक्का घर बन सकेगा। शासन से मिली

सहायता ने हमारे इस सपने को हकीकत में बदल दिया। आज लाभार्थी ललिता और उनका परिवार अपने पक्के मकान में सुखमय जीवन व्यतीत कर रहा है। उनका कहना है कि पक्का मकान मिलने से केवल रहने की सुविधा ही नहीं मिली, बल्कि परिवार को सुरक्षा, स्थायित्व और आत्मसम्मान का एहसास भी मिला है। अब मौसम की मार की चिंता नहीं रहती और परिवार अपने घर में सुकून के साथ जीवन बिता रहा है। श्रीमती रजक कहती हैं, आज जब मैं अपने पक्के घर को देखती हूं तो मन में बहुत खुशी होती है। यह घर हमारे लिए सिर्फ चार दीवारें नहीं, बल्कि परिवार की खुशियों, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का सहारा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी सोच और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में मिल रहे सहयोग से मेरे परिवार का वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ है। अब अपने घर में रहते हुए हमें सुरक्षा के साथ सम्मान और आत्मविश्वास भी महसूस होता है। इसके लिए मैं शासन-प्रशासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

मालगाड़ी की चपेट में आया 22 वर्षीय युवक दोनों पैर कटे, रातभर ट्रैक पर पड़ा रहा घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रात दर्दनाक रेल हादसा हो गया। मालगाड़ी की चपेट में आने से एक 22 वर्षीय युवक के दोनों पैर कट गए। हादसे के बाद युवक गंभीर घायल अवस्था में रातभर रेलवे ट्रैक पर पड़ा रहा। सुबह लोगों की नजर उस पर पड़ी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और 108 एंबुलेंस की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल युवक की पहचान 22 वर्षीय रितेश सारथी, निवासी ढेगूनाला के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सीएसईबी चैकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की मौजूदगी में घायल युवक को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

वित्त मंत्री ने पीएम श्री स्कूल कोड़ातराई के नवीन भवन निर्माण का किया भूमिपूजन

शिक्षा में नवाचार और स्टार्टअप सोच को बढ़ावा देना समय की जरूरत

- शिक्षक सम्मान एवं फन फेयर में विद्यार्थियों ने दिखाया रचनात्मकता, नेतृत्व और प्रबंधन कौशल

रायपुर/ संवाददाता

शिक्षा में नवाचार, रचनात्मकता और विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। बदलती तकनीक के दौर में बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उनमें जिज्ञासा, नई सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना जरूरी है। यह बात वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने पीएम श्री शासकीय विद्यालय कोड़ातराई में आयोजित शिक्षक सम्मान सह फन फेयर कार्यक्रम में कही। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के नवीन भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा

लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं नवाचार की सोच की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का भी है। पीएम श्री स्कूल कोड़ातराई में आयोजित फन फेयर विद्यार्थियों के व्यावहारिक सीखने और नेतृत्व क्षमता का प्रभावी उदाहरण बना। शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्वयं मंच संचालन, अतिथि सत्कार, अनुशासन, समय प्रबंधन, कूपन वितरण और विभिन्न स्टॉलों के संचालन की जिम्मेदारी संभाली। फन फेयर में बड़ा, डोसा, मंचुरियन, चाउमिन, फ्रेंच फ्राई, चना रोस्ट, आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए गए। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ व्यवहारिक जीवन की समझ भी देती हैं। इससे टीमवर्क, नेतृत्व, प्रबंधन, संवाद और निर्णय लेने जैसी क्षमताओं का विकास होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी प्रतिभा को पहचानने, प्रयोग करने और नए विचारों को सामने लाने के पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। यही अनुभव आगे चलकर उनमें नवाचार और स्टार्टअप की सोच को मजबूत आधार प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कार्यालयीन कर्मचारियों का तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन एवं योगदान को सराहा। विद्यालय के प्राचार्य श्री अजय कुमार सिन्हा ने पीएम श्री योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों, योजनाओं एवं नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यालय के विकास में सहयोग प्रदान करने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ व्याख्याता श्री रामसागर पटेल ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रविन्द्र गबेल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता हरिशंकर चौहान, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संपादकीय

युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं

युद्ध जान-माल, अर्थव्यवस्था और शांति के लिए विनाशकारी है। रूस-यूक्रेन व पश्चिम एशिया संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर गहरा संकट पड़ा है। भारत संवाद व कूटनीति से शांति का समर्थक है। युद्ध मानव सभ्यता की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है। इतिहास गवाह है कि किसी भी युद्ध ने समस्याओं का स्थायी समाधान करने के बजाय नई जटिलताओं को जन्म दिया है। अपनी जीत का डंका बजाने वाला देश भी वास्तव में बहुत कुछ खो देता है। युद्ध के परिणाम जान-माल की भारी क्षति, आर्थिक बर्बादी, विस्थापन और सामाजिक अस्थिरता के रूप में सामने आते हैं।यह केवल दो देशों या दो पक्षों के बीच सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर सीमाओं को पार कर अर्थव्यवस्था, व्यापार, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करता है। रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष इसके उदाहरण हैं। इनसे बनी परिस्थितियों से पता चलता है कि आज की परस्पर जुड़ी हुई वैश्विक व्यवस्था में किसी एक क्षेत्र की अस्थिरता का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है।भारत हमेशा वैश्विक शांति का समर्थक रहा है और युद्ध के बजाय महात्मा बुद्ध के मार्ग पर चलने का संदेश देता रहा है। इसी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतहीन युद्ध के बजाय इसके अंत की ओर बढ़ने की वकालत की।गौरतलब है कि पिछले करीब साढ़े चार वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर पड़ा है। रूस दुनिया के प्रमुख तेल, गैस और उर्वरक उत्पादक देशों में से एक है, जबकि यूक्रेन गेहूं, मक्का और सूरजमुखी जैसे कृषि उत्पादों का महत्त्वपूर्ण निर्यातक रहा है।मगर युद्ध के कारण इन वस्तुओं का उत्पादन, परिवहन और निर्यात प्रभावित हो रहा है। काला सागर के रास्ते अनाज की आपूर्ति में रुकावट ने कई देशों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों और खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। यह क्षेत्र ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्त्वपूर्ण है। होर्मुज जलमार्ग को बंद किए जाने से तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे भारत समेत कई देशों को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है।संघर्ष के इन मोर्चों से समुद्री मार्गों में जोखिम बढ़ा है और जहाजों के लंबे वैकल्पिक रास्ते अपनाने से माल ढुलाई की लागत भी बढ़ी है, जिसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है।

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है।

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

(ललित गर्ग)

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है।

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है। सरकारीएजेंसियां

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा। इतिहास

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा। भारत के आर्थिक आकाश पर उगता यह उजाला तभी स्थायी प्रकाश बनेगा, जब विकास की रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यही 2047 के विकसित भारत की वास्तविक कसौटी होगी और यही आर्थिक शक्ति को जनशक्ति में बदलने का मार्ग भी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जन्माष्टमी

श्रीकृष्ण भक्ति में नर्तकी ने बेचा घर, बनाया सोने का मुकुट, कान्हा ने दिखाया ऐसा चमत्कार, देखते रह गए पंडित पुजारी

(ज्योति साह)

भगवान कृष्ण की एक ऐसी भक्त भी थी जिसने अपना घर बेचकर ठाकुरजी के लिए मुकुट बनवाया। वह थी तो एक नर्तकी लेकिन उसका मन एकदम साफ और हृदय श्रीकृष्ण भक्ति से परिपूर्ण था। जब वह सोने का मुकुट लेकर मंदिर पहुंची तो कान्हाजी ने ऐसा चमत्कार दिखाया कि वहां मौजूद पंडित और पुजारी भी देखते रह गए। चलिए विस्तार से जानें नर्तकी की भक्ति और ठाकुरजी के चमत्कार की कथा। श्रीकृष्ण अपने भक्तों पर हमेशा कृपा बनाए रखते हैं लेकिन, समय-समय पर उनकी परीक्षा भी जरूर लेते हैं। कहते हैं कि जिसने अपने जीवनभर की कमाई, कर्म और स्वयं को भगवान कृष्ण को समर्पित कर दिया श्रीकृष्ण ने उन्हें अपनी शरण में ले लिया। इसी का एक उदाहरण है एक नर्तकी की कथा, जिसने श्रीकृष्ण की भक्ति में अपने पूरी संपत्ति यहां तक की अपना घर भी बेच दिया। उससे सोने का मुकूट बनवाया और ले जाकर ठाकुरजी को अर्पित कर दिया। तब कान्हाजी ने भी कुछ ऐसी लीला रची और चमत्कार दिखाया कि मंदिर के पंडित, पुजारी और वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए। चलिए विस्तार से जानें इस श्रीकृष्ण भक्त की कथा। दक्षिण भारत में एक बार बहुत सारे संतों श्रीहरि नाम का संकीर्तन करते हुए जा रहे थे। तभी एक नगर आया और वहां उन्होंने सोचा कि अब कोई ऐसा स्थान मिल जाए जहां हम बैठें और ठाकुर जी सेवा कर सकें। उसी क्षण उन्हें एक घर दिखाई दिया जो दिखने में बहुत अद्भुत था। उसके आंगन में कई प्रकार के पुष्प, पौधे आदि लगे हुए थे। सारे संत वहीं जाकर बैठ गए और बाल गोपाल की सेवा में लग गए। तब उस घर में रह रही महिला ने ऊपर से झांककर देखा कि उसके घर संत आए हैं।

नर्तकी संतों को देखकर हुई प्रसन्न – पहले के समय में संत अगर कहीं ठहरना चाहें तो उनका पूरा सम्मान, सहयोग और सेवा की जाती है। ऐसे में महिला को बहुत प्रसन्नता हुई की उसके घर संत पधारे हैं और इसी प्रसन्नता के साथ वह तुरंत नीचे गई। वहां, जाकर संतो से कहा की बताइए आपकी मैं किस प्रकार सेवा करूं, आपके लिए क्या कर सकती हैं। तब संतों ने ठाकुरजी की सेवा के लिए जो-जो पात्र और सामग्री मांगी वह सब महिला ने लाकर उन्हें दे दिया। संत रातभर वहीं ठहरे और भगवान कृष्ण के कीर्तन व सेवा में लगे रहे। अगले दिन जब सुबह संत आगे की ओर बढ़ने के लिए तैयार हुए तब महिला जाकर एक थाली में अद्भुत प्रकार की दक्षिणा, जिसमें स्वर्ण और कई चीजें शामिल थीं। वो सब लेजाकर संतों को देने लगी।

संतो ने दक्षिणा नहीं की स्वीकार, नर्तकी हुई दुखी – संत दक्षिणा लेने के लिए तो तैयार थे लेकिन, पहले के समय संत दक्षिणा लेने से पहले यह जरूर पूछते थे कि इस सामग्री का धन तुम्हारे पास कैसे आया। अथार्त, तुम्हारा क्या व्यापार है और तुम क्या काम करती हो। ऐसा प्रश्न करते ही महिला के हाथ कांपने लगे और उसके मुख से प्रसन्नता गायब हो गई। चेहरा एकदम मुरझाया हुआ लगने लगा। फिर, उसने उत्तर देते हुए कहा की मैं आपसे झूठ नहीं कहूंगी, मैं एक नगर नर्तकी हूं और इससे मुझे जो धन प्राप्त होता है उससे ही मैं अपना घर चलाती हूं। यह सुनते ही संतो ने दक्षिणा लेने से मना कर दिया। फिर, नर्तकी खूब विलाप करने लगी और संतों से कहा कि आप जो कहेंगे वो मैं करूंगी लेकिन, मेरी यह दक्षिणा स्वीकार कर लीजिए। यह पहली बार था कि अपने कर्मों का दुख हो रहा था।

श्रीकृष्ण भक्ति में घर बेचने को तैयार हुई नर्तकी – संतों की टोली को महिला पर करुणा आई और उन्होंने महिला से कहा कि, यह दक्षिणा तो हम नहीं ले सकते लेकिन अगर तुम अपने कर्मों पर इतनी ग्लानि हो तो इसका एक उपाय बताते हैं। यह सुनते ही महिला ने अपने आंसू पोछे और उनसे उपाय पूछते हुए कहा कि आप जैसा कहेंगे वैसा मैं करुंगी। इस पर संतो ने कहा कि शुरू से लेकर अब तक तुमने जितना भी धन-संपत्ति आदि कमाया है वो सबकुछ भगवान कृष्ण की सेवा में लगा दो। यह बात सुनकर महिला दुखी नहीं थी बल्कि, बहुत प्रसन्न हुई की संत उसकी दक्षिण स्वीकार कर लेंगे और वह अपनी सारी संपत्ति श्रीकृष्ण को सौंप रही है। संतो ने सारी धन-संपत्ति से ठाकुरजी के लिए स्वर्ण का मुकुट बनवाने के लिए कहा।

ठाकुरजी के लिए बनवाया सोने का मुकुट – जिस प्रकार का मुकुट संतो ने नर्तकी से बनवाने को कहा उसने ठीक वैसा ही मुकुट बनवाया। इसके निर्माण होने तक संतों की टोली वहीं ठहरी रही और श्रीहरि का कीर्तन करते रही। मुकूट बहुत ही अद्भुत बनकर तैयार हुआ। तब संतो ने कहा कि इसे दक्षिण भारत में तिरुचिरापल्ली के श्रीरंगनाथ मंदिर में इसे ले जाकर भेंट कर दो। महिला सभी संतो के साथ मुकुट लेकर मंदिर पहुंच गई। वहां के महात्मा ने भी उसे अंदर प्रवेश करने दिया। जिस पर लोगों ने बहुत विरोध किया लेकिन, इतने बड़े महात्मा के सामने कोई कुछ बोल सका।

खेतों में अनाज भरपूर, फिर भी थाली में पोषण की कमी; भारत के सामने खाद्य सुरक्षा की नई चुनौती

हाल के वर्षों में युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों ने खाद्य संकट का एक नया चेहरा दिखाया है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। युद्ध से पहले रूस और यूक्रेन गेहूं, सूरजमुखी तेल और मक्के के प्रमुख निर्यातकों में शामिल थे। युद्ध ने उत्पादन और निर्यात दोनों को प्रभावित किया, जिससे वैश्विक बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों और आपूर्ति पर दबाव बढ़ा। 'सेंटर फार स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के जून 2026 के विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के चार साल बाद भी यूक्रेन का 2025 का अनाज निर्यात 2020 की तुलना में लगभग 35 फीसद कम रहा।

(सुनिधि मिश्रा)

वैश्विक युद्ध, जलवायु परिवर्तन, महंगाई और बढ़ती आबादी ने खाद्य सुरक्षा को दुनिया के सामने बड़ी चुनौती बना दिया है। भारत ने खाद्यान्न उत्पादन और कुपोषण कम करने में अहम प्रगति की है।

वैश्विक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और दुनिया में बढ़ते युद्धों ने केवल अर्थव्यवस्था, महंगाई, पर्यावरण और ऊर्जा संकट को ही गहरा नहीं किया है, बल्कि खाद्य संकट को भी एक नई चुनौती के रूप में सामने ला दिया है। खाद्य संकट अब केवल भूख का प्रश्न नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक विकास से भी जुड़ गया है। बढ़ती आबादी, सीमित संसाधनों और महंगाई के दबाव के कारण करोड़ों लोगों की थाली तक सुरक्षित, पर्याप्त और पौष्टिक भोजन नहीं पहुंच पा रहा है। इसलिए खाद्य सुरक्षा को अब केवल अनाज की उपलब्धता के बजाय उत्पादन, पहुंच, क्रय-शक्ति और वितरण से जुड़ी व्यापक चुनौती के रूप में समझना होगा।

हाल के वर्षों में युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों ने खाद्य संकट का एक नया चेहरा दिखाया है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। युद्ध से पहले रूस और यूक्रेन गेहूं, सूरजमुखी तेल और मक्के के प्रमुख निर्यातकों में शामिल थे। युद्ध ने उत्पादन और निर्यात दोनों को प्रभावित किया, जिससे वैश्विक बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों और आपूर्ति पर दबाव बढ़ा। 'सेंटर फार स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के जून 2026 के विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के चार साल बाद भी यूक्रेन का 2025 का अनाज निर्यात 2020 की तुलना में लगभग 35 फीसद कम रहा। रूस के महत्त्वपूर्ण उर्वरक निर्यातक होने के कारण युद्ध का असर कृषि लागत पर भी पड़ा। पश्चिम एशिया के संघर्षों ने समुद्री व्यापार मार्गों को जोखिम में डालकर खाद्य आपूर्ति की अनिश्चितता और बढ़ा दी है।

इन परिस्थितियों ने दुनिया की सरकारों को यह सोचने पर विवश किया है कि खाद्य सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र की पांच एजेंसियों द्वारा जारी रिपोर्ट 'विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति, 2026' के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया की करीब 7.8 फीसद आबादी यानी लगभग 64.5 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा लगातार तीसरे वर्ष घटा है। वर्ष 2024 में यह 8.1 फीसद और 2022 में 8.6 फीसद था। हालांकि इस सुधार को स्थायी उपलब्धि मानना जल्दबाजी होगी, क्योंकि पौष्टिक भोजन की कीमत लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में एक पौष्टिक थाली की औसत वैश्विक कीमत लगभग 4.28 डालर प्रतिदिन हो गई, जबकि 2017 में यह 2.94 डालर थी।

अप्रैल 2026 में जारी 'खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट' भी चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत करती है। इसके अनुसार 47 देशों में लगभग 26.6 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। पहली बार एक ही वर्ष में गाजा और सूडान में अकाल जैसी स्थितियां सामने आईं। स्पष्ट है कि वैश्विक स्तर पर खाद्य संकट का स्वरूप एक समान नहीं है। दक्षिण एशिया और लातिन अमेरिका में स्थिति में कुछ सुधार दिखता है, लेकिन अफ्रीका और पश्चिम एशिया के अनेक हिस्सों में संकट लगातार गहरा रहा है। ऐसे में भारत की स्थिति उपलब्धि और चुनौती, दोनों का मिश्रण है।

गौरतलब कि भारत में कुपोषित लोगों का अनुपात 2004-06 के 21.1 फीसद से घटकर 2023-25 में 9.8 फीसद रह गया है। इस अवधि में कुपोषित लोगों की संख्या भी लगभग 24 करोड़ से घटकर 14.25 करोड़ रह गई। दो दशकों में हुआ यह सुधार निश्चित रूप से महत्त्वपूर्ण है, लेकिन दूसरी ओर 2025 में भारत की करीब 35.5 फीसद आबादी, यानी 52 करोड़ से अधिक लोग पौष्टिक और संतुलित भोजन का खर्च वहन करने की स्थिति में नहीं थे। यह आंकड़ा 2017 के 59.8 फीसद से कम जरूर हुआ है, लेकिन अभी भी काफी बड़ा है। भारत में पौष्टिक भोजन की अनुमानित कीमत 2025 में करीब 4.11 डालर प्रतिदिन रही।

यहीं भारत के खाद्य संकट का सबसे बड़ा विरोधाभास सामने आता है। देश में अनाज की कमी नहीं है, लेकिन संतुलित पोषण की कमी अब भी गंभीर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में लगभग 35.5 फीसद बच्चों का कद उनकी उम्र के अनुपात में कम है और 19.3 फीसद बच्चे कम वजन की समस्या से जूझ रहे हैं। दूसरी ओर, महिलाओं में रक्ताल्पता और शहरी क्षेत्रों में बढ़ता मोटापा एक अलग चिंता पैदा कर रहे हैं। सस्ता और अधिक प्रसंस्कृत भोजन कई परिवारों के लिए मजबूरी बन रहा है। परिणामस्वरूप भारत एक साथ अल्पपोषण और मोटापे के दोहरे बोझ का सामना कर रहा है।

गौरतलब है कि केंद्रीय कृषि मंत्रालय के नवंबर 2025 के अंतिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 में देश ने करीब 35.77 करोड़ टन खाद्यान्न का उत्पादन किया। चावल और गेहूं का उत्पादन रिकार्ड स्तर पर रहा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली भी लगभग 80 करोड़ से अधिक लोगों तक सस्ता अनाज पहुंचा रही है। इसलिए भारत की मूल चुनौती अब केवल अधिक अनाज पैदा करना नहीं, बल्कि हर परिवार की थाली में विविधता और पोषण सुनिश्चित करना है।

इस चुनौती की जड़ें कई स्तरों पर फैली हैं। खाद्य महंगाई, डीजल और उर्वरकों की बढ़ती लागत तथा दालों और तिलहनों के आयात पर निर्भरता कृषि व्यवस्था पर दबाव डालती है। गरीबी और आय की असमानता यह तय करती है कि परिवार आय का कितना हिस्सा पौष्टिक भोजन पर खर्च कर सकता है। गांव और शहर के बीच की आर्थिक दूरी भी भोजन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। वहीं, अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़, भूजल का अत्यधिक दोहन और मिट्टी की घटती उर्वरता भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे हैं।

इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में किसान है। अगर खाद्य सुरक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता है, तो किसान की आर्थिक सुरक्षा को उससे अलग नहीं किया जा सकता। छोटे और सीमांत किसानों के लिए बीज, खाद, डीजल और सिंचाई की बढ़ती लागत के साथ मौसम का जोखिम तथा बाजार में कीमतों की अनिश्चितता बड़ी चुनौती है। फसल बीमा, बेहतर भंडारण, प्रसंस्करण सुविधाओं और डिजिटल बाजार तक पहुंच को मजबूत करना जरूरी है। किसान की आय स्थिर होगी, तो कृषि उत्पादन भी अधिक टिकाऊ बनेगा और देश की खाद्य सुरक्षा की नींव मजबूत होगी।

आगे का रास्ता स्पष्ट है। भारत को जलवायु-अनुकूल कृषि, सूखा और गर्मी सहने वाली फसल किस्मों, सटीक खेती तथा स्मार्ट सिंचाई जैसी तकनीकों को तेजी से अपनाना होगा। मिलेट्स यानी मोटे अनाजों, दालों और स्थानीय अनाजों को बढ़ावा देना पोषण और पर्यावरण, दोनों के लिए उपयोगी होगा। इसके साथ, बेहतर भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और भोजन की बर्बादी कम करना भी आवश्यक है। स्थानीय खाद्य प्रणालियों को मजबूत किए बिना दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा संभव नहीं है।

इक्कीसवीं सदी में जिस देश के पास उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त और स्वच्छ पानी, स्वस्थ किसान तथा हर नागरिक तक पौष्टिक भोजन की पहुंच होगी, वही आर्थिक और रणनीतिक रूप से मजबूत होगा। भारत ने अनाज उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। अब अगली मंजिल बेहतर थाली की है। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि देश कितना अनाज पैदा करता है, बल्कि यह कि क्या हर भारतीय को संतुलित, सुरक्षित, पौष्टिक और सस्ता भोजन उपलब्ध है। भारत को खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण, किसान और पर्यावरण- इन तीनों की सुरक्षा को एक साथ साधना होगा। आखिरकार खाद्य संकट केवल खेत-खलिहान का सवाल नहीं, बल्कि राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है।

ज्ञान अमृत स्कूल में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

धमतरी। ज्ञान अमृत इंग्लिश हाई स्कूल धमतरी में शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जगदीश रामू रोहरा महापौर नगर पालिक निगम धमतरी, विशेष अतिथि डॉ प्रदीप कुमार शर्मा सेवानिवृत्त व्याख्याता डॉ शोभाराम देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमतरी, राजेश तिवारी सेवानिवृत्त प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैंसमुड़ा नगरी, अध्यक्षता विनोद कुमार पाण्डेय प्राचार्य ज्ञान अमृत विद्यालय धमतरी एवं मंच पर छात्र संघ के अध्यक्ष चि.अजय कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर दीपप्रज्वलित कर किया गया। शिक्षकों के सम्मान में छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत, सरस्वती वंदना, गुरु वंदना, भाषण, कविता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान श्रीफल, पुष्पगुच्छ, कलम भेंट कर किया गया। अतिथियों का स्वागत छात्र संघ अध्यक्ष अजय कुमार एवं छात्र संघ पदाधिकारी तथा समिति के अध्यक्ष वेद प्रकाश देवांगन एवं राजेश पाण्डेय द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा डॉ प्रदीप कुमार शर्मा, राजेश तिवारी का सम्मान शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति शिक्षक डॉ प्रदीप शर्मा का व्यक्तित्व परिचय कु तारिणी बावने एवं राजेश तिवारी का व्यक्तित्व परिचय कु नंदिता सारसर द्वारा पठन किया गया। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह छात्र संघ अध्यक्ष अजय कुमार द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जगदीश रामू रोहरा ने समस्त शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान नहीं देते बल्कि, उनके व्यक्तित्व संस्कार और भविष्य की नींव तैयार करते हैं। एक शिक्षक का मार्गदर्शन विद्यार्थी के पूरे जीवन की दिशा बदल सकता है इसलिए शिक्षक का सम्मान वास्तव में ज्ञान, संस्कार और शिक्षा का सम्मान है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। आज के विद्यार्थी ही आने वाले समय में देश और समाज का नेतृत्व करेंगे, इसलिए उन्हें संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक बनाने में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महापौर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को अपने जिम्मेदारी निभानी चाहिए। विशेष अतिथि डॉक्टर प्रदीप शर्मा एवं राजेश तिवारी ने बच्चों की प्रतिभा का सराहना करते हुए कहा कि मेरे प्रिय विद्यार्थियों आपके जीवन में आपका शिक्षक केवल पाठ्य पुस्तक का ज्ञान देने वाले व्यक्ति नहीं है। वे आपके भीतर अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने वाले मार्गदर्शक है। इसलिए शिक्षक का सम्मान केवल शिक्षक दिवस पर नहीं बल्कि प्रतिदिन होना चाहिए। आपको अंक आगे बढ़ने का अवसर दे सकते हैं लेकिन संस्कार ही आपके जीवन में ऊंचा उठाते हैं इसलिए खूब पढ़िए, बड़े सपने देखिए, असफलताओं में मत घबराइए और अपने माता.पिता तथा गुरुजनों के प्रति सदैव सम्मान बनाए रखिए। विद्यालय के प्राचार्य विनोद पांडेय ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त शिक्षकों से अपेक्षा करते हुए कहा कि आपके हाथों में केवल चाक और पुस्तक नहीं है, बल्कि एक पूरी पीढ़ी का भविष्य है। आपकी कही हुई एक प्रेरणादायक बात किसी विद्यार्थी का जीवन बदल सकती है और आपका दिया हुआ विश्वास किसी बच्चे को उसकी मंजिल तक पहुंचाने का मार्ग दिखा सकता है। इसलिए शिक्षक होना केवल एक नौकरी नहीं है बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, साधना और राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। मैं अपने विद्यार्थियों फलको और शिक्षक साथियों से केवल एक छोटा सा संकल्प चाहता हूं शिक्षक ज्ञान देंगे, विद्यार्थियों उसे अपने जीवन में उतारेंगे।

किरंदुल परियोजना प्रबंधन ने धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

किरंदुल। किरंदुल परियोजना प्रबंधन द्वारा परियोजना विद्यालय के सभागार में वृहद स्तर पर शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बीआईओपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, डीएवी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, प्रकाश विद्यालय, विद्या मंदिर, भारत माता मॉडल स्कूल एवं प्रौढ़ शिक्षा केंद्र के शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किशन आहुजा, मुख्य महाप्रबंधक (वर्क्स) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जे.सी. दास, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), एम. सुब्रमण्यन, महाप्रबंधक (एमएंडएस)/टीआई, एवं के.एल. नागवेणी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। इसके पश्चात मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। स्वागत भाषण देते हुए के.एल. नागवेणी ने कहा कि हमारे जीवन में शिक्षक की अहम भूमिका होती है। जीवन के किसी भी पड़ाव पर शिक्षक की आवश्यकता होती है। शिक्षक समाज की रीढ़ है जो हमारे चरित्र निर्माण और भविष्य को आकार देकर देश का आदर्श नागरिक बनाने में मदद करता है। मुख्य अतिथि ने उपस्थित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को उत्कृष्ट शिक्षण हेतु सर्टिफिकेट एवं उपहार वितरित किए। इस अवसर पर शिक्षिकाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम में बी. साम्या, महाप्रबंधक (सामग्री), सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (प्रशि. व सुरक्षा), एम. तिरुपति राव, उप महाप्रबंधक, अनिल वाल्मीकि, उप महाप्रबंधक, देवरायलु, अध्यक्ष, रोशन मिश्रा, उपाध्यक्ष, एसकेएमएस, विनोद कुमार कश्यप, अध्यक्ष, ए.के.सिंह, सचिव, एमएमडब्ल्यू यूनियन, बी.एल. तारम, अध्यक्ष, एनएससीएसटी कर्मचारी कल्याण समिति, शैलेंद्र सोनी, सहा. महाप्रबंधक, नरेंद्र अंबाडे, सहा. महाप्रबंधक, दीपक पाल, सहा. महाप्रबंधक, प्रमोद कुमार, सहा. महाप्रबंधक (सुरक्षा) सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कुनामी हंसदा, उप प्रबंधक एवं रोजी निरोला ने किया, जबकि अंत में मो. तनवीर जावेद, उप महाप्रबंधक ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता में मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा।

ग्राम नारी की घटना हादसा नहीं हत्या : तारिणी चंद्राकर

धमतरी। कुरुद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नारी में विगत दिनों हुई हृदय विदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। अवैध रेत परिवहन की अंधाधुंध और बेकाबू दौड़ के कारण आज एक और हंसते.खेलते परिवार ने अपना चिराग खो दिया। इस बेहद दुखद और दर्दनाक हादसे के बाद धमतरी जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और इस कठिन समय में हरसंभव मदद का भरोसा दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने इस घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक आम हादसा नहीं है, बल्कि प्रशासन और सत्ता के संरक्षण में चल रहे अवैध कारोबार की वजह से हुई हत्या है। उन्होंने स्थानीय भाजपा विधायक को आड़े हाथों लेते हुए कहा अत्यंत दुखद है कि क्षेत्र के विधायक को जनता के इस गहरे दर्द और जनभावनाओं से कोई सरोकार नहीं है। उनकी चुप्पी इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि उन्हें जनता की जान-माल से ज्यादा रेत माफियाओं के हितों की चिंता है। चंद्राकर ने स्थानीय प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के नियमों के तहत वर्तमान में सभी रेत खदानें पूरी तरह से बंद हैं। इसके बावजूद नदियों का सीना चीरकर धड़ल्ले से अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। उन्होंने क्षेत्र की जमीनी हकीकत उजागर करते हुए कहा कि कोकड़ी रोड में कई अवैध रेत डंप मौजूद हैं, जिसकी पूरी जानकारी स्थानीय प्रशासन को है। इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं, जिसका खामियाजा क्षेत्र की मासूम जनता को अपनी जान देकर भुगतना पड़ रहा है। आगे कहा कि पीड़ित परिवार को तत्काल उचित और सम्मानजनक आर्थिक मुआवजा प्रदान किया जाए। दोषी वाहन चालक और अवैध कारोबार के मुख्य सरगनाओं के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। क्षेत्र में संचालित सभी अवैध रेत डंपों को तत्काल जब्त कर बंद कराया जाए। तारिणी चंद्राकर ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने अवैध रेत परिवहन पर तुरंत पूरी तरह रोक नहीं लगाई और पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला, तो कांग्रेस पार्टी जनता के हक और सुरक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

प्रथम बार रायपुर मे होगा 30 सितंबर को राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन

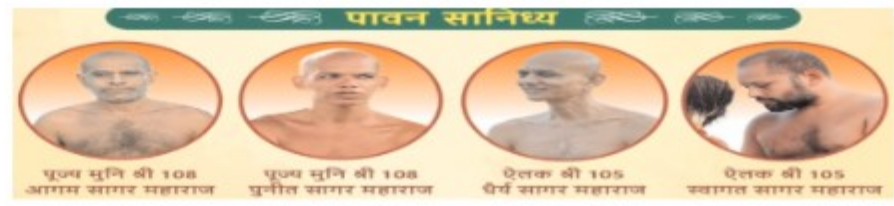

धमतरी। छत्तीसगढ़ सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन 2026 बुधवार 30 सितंबर को अग्रसेन धाम जीई रोड रायपुर छत्तीसगढ़ में आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि आगम सागर, मुनि पुनीत सागर, ऐलक धैर्य सागर, स्वागत सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं सानिध्य में जैन पत्रकार महासंघ रजि. के विशेष सहयोग से प्रथम बार आयोजन किया जा रहा है।

सम्मेलन में देश के संपादक, पत्रकार, विद्वान, लेखक उपस्थित होकर जैन धर्म आयतनों के संरक्षण एवं संवर्धन में पत्रकारिता की भूमिका पर चिंतन एवं मंथन करेंगे। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि उक्त राष्ट्रीय सम्मेलन प्रकाश मोदी निदेशक पारस चैनल कार्य अध्यक्ष छत्तीसगढ़ सकल जैन समाज के निर्देशन, आयोजन समिति के अध्यक्ष विनोद जैन बड़जात्या एवं प्रदीप कुमार जैन संपादक दैनिक विश्व परिवार के संयोजकत्व में आयोजित किया गया है। जैन पत्रकार महासंघ रजि. के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया जयपुर एवं छत्तीसगढ़ जैन समाज के महासचिव संदीप लुहाड़िया, सौरभ जैन, गोलू अकलतरा, क्षितिज जैन बुंदेलखंड, प्रभारी सेठ भरत जैन पत्रकार घुआरा ने देश के वरिष्ठ संपादकों, पत्रकारों, मनीषियों विद्वानों को उक्त सम्मेलन में आमंत्रित किया है। राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य प्रदीप जैन रायपुर ने बताया कि सम्मेलन में देशभर से प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संपादक, वरिष्ठ पत्रकार, संवाददाता, लेखक एवं मीडिया प्रतिनिधि सहभागी होंगे। उक्त सम्मेलन प्रातः 8.30 बजे प्रारंभ होगा, 9 बजे पंजीयन, 10.15 पर प्रथम सत्र, 1.30 बजे भोजन अवकाश, 2.30 से 5 बजे तक द्वितीय सत्र, परस्पर विचार विमर्श, सम्मान व समापन समारोह आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। वहीं आयोजन समिति के संरक्षक नरेंद्र जैन गुरु कृपा रायपुर ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों से रायपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित होकर वर्तमान समय की आवश्यकता को देखते हुए जैन समाज और संस्कृति के संरक्षण.संवर्धन के इस अभियान को मजबूती प्रदान करने का निवेदन किया है।

वासुदेव सुंदरानी का निधन

धमतरी। सिहावा रोड निवासी वासुदेव सुंदरानी 47 वर्ष सुपुत्र स्व.मोहनलाल सुंदरानी का निधन हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार को सुबह 11.30 बजे निवास स्थान अर्जुन रेसीडेंसी, सिहावा रोड से निकाली गई जिसमें समाजजन समेत अनेक लोग शामिल हुए। वे श्यामलाल, दिलीप कुमार, अनिल सुंदरानी के भाई, तुषार के पिता एवं संजू, प्रेम, विवेक चाचा थे।

ग्राम कंडेल में युवक की हत्या

धमतरी। धमतरी जिले के अर्जुनी थानांतर्गत ग्राम कंडेल में बीति रात 30 वर्षीय युवक पारसमणी साहू की चाकू से प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया गया। इस घटना से ग्राम कंडेल सहित आसपास के गांवों में दहशत का वातावरण निर्मित हो चुका है। हत्या की खबर पर अर्जुनी पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिये रवाना किया। वरदान परामर्श सेवा समिति के शिवा प्रधान, डोमन साहू मौके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार अज्ञात आरोपी ने युवक पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला किया जिससे युवक की मौत हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जांच में जुट गई है और सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए छानबीन प्रारंभ कर दिया गया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के आतिथ्य में अखिल भारतीय प्रतियोगिता का शुभारंभ

रायपुर। 48वीं अखिल भारतीय विद्युत स्पोर्ट्स नियंत्रण बोर्ड टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ पावर कंपनी के प्रबंध निदेशक (जनरेशन) संजीव कुमार कटियार एवं प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) भीम सिंह कंवर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पावर कंपनीज मुख्यालय परिसर के महिला मंडल भवन टेबल टेनिस हॉल में उद्घाटन समारोह में केंद्रीय क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक समिति के महासचिव तथा कार्यपालक निदेशक (वित्त) एम.एस. चौहान, कार्यपालक निदेशक (पीसी एंड आरए) एवं अखिल भारतीय विद्युत स्पोर्ट्स नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष के.एस. मनोठिया,मुख्य अभियंता रायपुर क्षेत्र संजीव सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक कटियार ने अपने उद्बोधन में सभी खिलाड़ियों एवं टीमों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को मजबूत करता है। उन्होंने खिलाड़ियों से उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ खेल भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। भीमसिंह कंवर ने कहा खेल में जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, अनुशासन और आपसी सौहार्द है। उन्होंने छत्तीसगढ़ पहुंची सभी टीमों के खिलाड़ियों एवं सदस्यों से प्रतियोगिता के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के समृद्ध पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर यहां की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत का आनंद लेने का भी आग्रह किया। दीप प्रज्वलन पश्चात कार्यपालन अभियंता आशीष अग्निहोत्री द्वारा देशभर से पहुंचे सभी नौ टीमों के खिलाड़ियों को खेल की शपथ दिलाई गई। प्रतियोगिता में केपीटीसीएल, सीएसईसी (कोलकाता), आंध्र प्रदेश ट्रांसको, तेलंगाना ट्रांसको, केपी सीएल, तमिल नाडु इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, असम, उत्तर प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होगा। तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता मे टीम इवेंट, पुरुष एकल, पुरुष युगल श्रेणी के लिए खिलाड़ी खेलेंगे।

बहुभाषी स्वागत ने बढ़ायी राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के शुभारंभ की गरिमा और उत्साह

समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों के मैनेजरों को मंच पर अतिथियों के स्वागत के लिए आमंत्रित करने का विशेष अंदाज सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। मंच संचालन कर रहे गोविन्द पटेल ने प्रत्येक टीम के प्रतिनिधि को उनकी स्थानीय बोली/भाषा में स्वागत करते हुए आमंत्रित किया और साथ में हिंदी में उसका भाव भी प्रस्तुत किया। इस बहुभाषी एंकरिंग ने पूरे समारोह को आत्मीयता से भर दिया। विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ी और टीम मैनेजर इस अपनत्व से भावविभोर हो उठे। समारोह में 'अनेकता में एकता' का भाव जीवंत रूप से दिखाई दिया। इसमें तमिल, कन्नड़, तेलगू, बांग्ला, असमिया सहित हिंदी और छत्तीसगढी में एंकरिंग की गई।

शिक्षक ही शिक्षा के साथ संस्कार दे सकते है: अंजय शुक्ला

रायपुर। रेडियंट स्टार पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल धरसींवा में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएं देने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ आदिवासी स्वास्थ्य परम्परा एवं औषधीय पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त अंजय शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत रायपुर की सभापति सरोज चंद्रवंशी, नगर पंचायत कुंवरगढ़ (कुंरा) के अध्यक्ष गोविंद राम साहू, धरसींवा मंडल अध्यक्ष राकेश यादव, ओम साईंनाथ महाविद्यालय के अध्यक्ष भगवती शंकर साहू, जनपद पंचायत धरसींवा की सभापति पूजा अश्वनी वर्मा तथा ग्राम पंचायत धरसींवा के सरपंच साहिल खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अजय शुक्ला ने सेवानिवृत्त शिक्षकों गायत्री पटेल (चरौदा), गुलाब सिंह साहू (परसतराई), भगवती प्रसाद देवांगन (कुंवरगढ़-कुरा), द्रौपती वर्मा (मोहदी), छगन लाल शर्मा (गोढ़ी) एवं रामपहल साहू (परसतराई) का सम्मान किया। अतिथियों ने शिक्षकों के शिक्षा एवं समाज निर्माण में योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके कार्यों की सराहना की। समारोह में नोडल प्राचार्य हेमावती चिवानी, व्याख्याता पीलाराम साहू, संकुल समन्वयक हिमकर दास, एबीईओ धरसींवा प्रदीप शर्मा, शासकीय स्कूल कुंवरगढ़ के रोहित सर, सेवानिवृत्त शिक्षक केजुराम साहू (मनहोरा) तथा नगर पंचायत कुंवरगढ़ के एल्डरमैन मुकेश सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में रेडियंट स्टार पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य प्रकाश वस्त्रकार, समस्त शिक्षकगण, स्कूल संचालक बलदाऊ राम साहू एवं एमडी मितेश साहू ने सभी अतिथियों और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

शिक्षक केवल ज्ञान नहीं, संस्कारों से गढ़ते हैं राष्ट्र का भविष्य: सुमन तिवारी

ब्रम्हकुमारीज द्वारा शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

धमतरी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय धमतरी द्वारा शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर विकसित भारत के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े गणमान्य अतिथियों एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुमन तिवारी डायरेक्टर विद्याकुंज इंग्लिश मीडियम स्कूल, श्रुति साहेब डायरेक्टर मिलेनियम स्कूल, चंपा चंद्राकर प्राचार्य पोटीयाडीह तथा राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरिता संचालिका प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ परमात्म स्मृति एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन बी के प्राजक्ता द्वारा किया गया।

बच्चों में श्रेष्ठ संस्कार डालना शिक्षक का दायित्व

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुमन तिवारी ने कहा कि शिक्षक का कार्य केवल बच्चों को पढ़ाना नहीं, बल्कि उनमें श्रेष्ठ संस्कारों का निर्माण करना, उन्हें प्रेरित करना तथा उनके गुणों एवं विशेषताओं को उजागर करना भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही दिशा देने का कार्य करता है और इसी से राष्ट्र के भविष्य का निर्माण होता है। चंपा चंद्राकर ने अपने शिक्षकीय अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अब तक जिन भी बच्चों को पढ़ाया, उनमें सदैव अच्छे संस्कार विकसित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक चाहे विद्यालय के बच्चों को पढ़ाए या परिवार के बच्चों को उसका प्रयास उनके जीवन को श्रेष्ठ बनाने का होना चाहिए। यही सच्चे शिक्षक की पहचान है।

शिक्षक केवल पद नहीं, श्रेष्ठ संस्कारों का समूह

श्रुति साहेब ने कहा कि शिक्षक केवल एक पद नहीं, बल्कि श्रेष्ठ संस्कारों का समूह है। सच्चा शिक्षक बच्चों की कमियों को नहीं, बल्कि उनकी खूबियों को देखता है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण तभी संभव हैए जब शिक्षक सशक्त होंगे।

शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों की भी आवश्यकता

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरिता ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारा सर्वोच्च शिक्षक स्वयं परमपिता परमात्मा है और शिक्षक उनके ज्ञान एवं श्रेष्ठ संस्कारों को समाज तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षक को अपनी गरिमा एवं श्रेष्ठ आचरण को बनाए रखते हुए बच्चों को आदर्श बनाने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि शिक्षक की सोच, व्यवहार और शुभ भावनाओं का प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल डिग्री लेना, नौकरी करना, घर बनाना और धन कमाना ही नहीं सिखाया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें मूल्यनिष्ठ एवं संस्कारवान जीवन जीना भी सिखाया जाना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज द्वारा सिखाया जाने वाला राजयोग आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से श्रेष्ठ जीवन जीने की कला सिखाता है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हरितालिका तीज महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

महिलाओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा, रचनात्मक गतिविधियां भी हुई

राजनांदगांव। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना राजनांदगांव एवं छत्तीसगढ़ राजपूत महिला महासभा के संयुक्त तत्वावधान में हरितालिका तीज महोत्सव का आयोजन महाराणा प्रताप भवन, न्यू चंद्रा कॉलोनी, राजनांदगांव में किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ तीज पर्व का आनंद लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वीणा सिंह रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव-पार्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा, सोलह श्रृंगार, मेहंदी एवं रंगबिरंगे आकर्षक पोशाकों के साथ तीज पर्व की सुंदर छटा बिखेरी। कार्यक्रम में तीज गीत,नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं, प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान भी किया गया,जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हंसी-खुशी और उत्साह से भरे माहौल ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। महोत्सव के दौरान राजस्थानी एवं राजपूती संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। पारंपरिक परिधान, श्रृंगार, गीत-संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं ने अपनी गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं को जीवंत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पर्व मनाना ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ना भी रहा। मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि हरितालिका तीज हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं का महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक एकता, आपसी सौहार्द एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए संगठन की सभी महिला पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में इला सिंह कल्चुरी एवं रेणु सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विशेष अतिथि हेमा देशमुख, नीतू सिंह, डॉ. मधु भदौरिया समाजसेवी करुणा यादव एवं डॉ. विधि (विधि डायग्नोस्टिक) उपस्थित रहीं। रायपुर से कंचन चौहान राष्ट्रीय महामंत्री, जिला अध्यक्ष आशा सिंह, एवं टीम, किरण सिंह ललिता सिंह एवं टीम, सिंधु चंदेल, एवं उनकी टीम, खैरागढ़ से जिला अध्यक्ष एवं राजकुमारी शताक्षी देवव्रत सिंह, एवं टीम, डोंगरगढ़ से जिला अध्यक्ष नीति सिंह एवं उनकी टीम की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और बढ़ा दी। साथ ही डोगरगढ़ की रानी साहिबा कैरोलाइन सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष का पदभार दिया गया

संक्षिप्त समाचार

जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान

कोरबा। जन सेवा के प्रति आभार व्यक्त करने, विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन, जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप अभियान के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के माध्यम से प्रत्येक परिवार की सहभागिता के साथ व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी तथा केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से आम नागरिकों को जोड़ा जाएगा। अभियान के समन्वय एवं मॉनिटरिंग के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री प्रतीक जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नगरीय निकाय क्षेत्रों में कार्यक्रमों के संचालन के लिए आयुक्त, नगर पालिक निगम को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही जिले के सभी नगर पालिका क्षेत्रों में संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का सहयोगी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी ढंग से संचालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अभियान एवं विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से कराने के निर्देश दिए गए हैं। 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से जिले में जनसेवा, जनकल्याण और विकसित भारत-2047 के संकल्प को व्यापक जनभागीदारी के साथ जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

करतला में कीटनाशक दुकानों का औचक निरीक्षण

कोरबा। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के निर्देश पर किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक एवं कीटनाशक दवाएं उपलब्ध कराने तथा कृषि आदानों की बिक्री में अनियमितता, कालाबाजारी एवं निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री (ओवररेटिंग) पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से ब्लॉक स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा विकासखंड करतला क्षेत्र के उर्वरक एवं कीटनाशक विक्रय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में उपलब्ध कीटनाशकों के स्टॉक, मूल्य सूची, विक्रय अभिलेख, अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) एवं भंडारण व्यवस्था की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान कुछ प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं एवं कमियां पाए जाने पर कृषि विभाग द्वारा नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान न्यूमेमन कृषि केन्द्र, पचपेड़ी में अनियमितता पाए जाने पर कीटनाशक दवाओं की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया। संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अनियमितता एवं कमियां पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालकों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में संतोष कुमार कश्यप कृषि केन्द्र, सन्डैल, जय मां मड़वारानी कृषि केन्द्र तथा किसान कृषि केन्द्र, मड़वारानी में निरीक्षण के दौरान कमियां पाए जाने पर संबंधित संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कृषि विभाग द्वारा जिले में कृषि आदानों की गुणवत्ता एवं निर्धारित दर पर बिक्री सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसानों को अमानक कृषि सामग्री उपलब्ध कराने, निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री करने अथवा स्टॉक एवं विक्रय अभिलेखों में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक दिवस पर सजा गुरु सम्मान का भव्य मंच, सरस्वती शिक्षा समिति ने आचार्य-आचार्याओं का किया अभिनंदन

कोरबा। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर 2026 को सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सीएसईबी कोरबा पूर्व में सरस्वती शिक्षा समिति, कोरबा द्वारा संयुक्त रूप से आचार्य अभिनंदन समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित इस समारोह में गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव देखने को मिला। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. विशाल उपाध्याय, जिला संघचालक कोरबा, मुख्य वक्ता श्री जुड़ावन सिंह, उपाध्यक्ष विद्या भारती मध्य क्षेत्र उपस्थित रहे, अध्यक्षता श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, उपाध्यक्ष सरस्वती शिक्षा समिति ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई। मंच पर उपस्थित अतिथियों ने मां सरस्वती, भारत माता और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद अतिथियों का परिचय कराया गया और शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि डॉ. विशाल उपाध्याय ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए गुरुजनों के महत्व पर प्रकाश डाला।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने की गहन समीक्षा

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होंगे विविध आयोजन

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने अभियान के उद्देश्य, रूपरेखा और विभिन्न गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जनसेवा के 25 वर्षों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ ही विकसित भारत-2047 के निर्माण का सामूहिक संकल्प लेना है। अभियान के माध्यम से केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पात्र नागरिकों तक पहुंचाने और उन्हें योजनाओं के लाभ से जोड़ने के लिए विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। पुलिस परेड ग्राउंड में जलेंगे 51 हजार दीप - अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम से होगा। इस अवसर पर बिलासपुर के

पुलिस परेड ग्राउंड में 51 हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। कार्यक्रम में माय भारत, एनएसएस, एनसीसी के स्वयंसेवकों के साथ ही बड़ी संख्या में नागरिक शामिल होंगे। दीप प्रज्वलन के माध्यम से जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विकसित भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। अभियान के तहत 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत कार्यक्रम में 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक विद्यालयों में विकसित भारत की संकल्पना पर ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वहीं नमो सेवा गाथा के माध्यम से विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों एवं सामुदायिक केंद्रों में जनसेवा और विकास की गाथाओं को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। वास्तविक कहानियों से सामने आएगा बदलाव - कहानी बदलाव की कार्यक्रम के तहत शासन की योजनाओं से लाभान्वित नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की प्रेरक और वास्तविक कहानियां सामने लाई जाएंगी। अभियान के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन उत्सव का आयोजन भी किया जाएगा। इसके अलावा विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र, राष्ट्रीय इनोवेशन चौलेंज तथा जनसेवक महाकुंभ-पंचायत से पार्लियामेंट तक जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेवा मेरा योगदान के तहत नागरिकों को रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता, वृद्धाश्रम एवं अनाथालय भ्रमण, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, डिजिटल साक्षरता, नशामुक्ति, सड़क सुरक्षा, जल संरक्षण, साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न सेवा गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। सेवा सेतु शिविरों में मिलेगा योजनाओं का लाभ - अभियान के तहत सेवा सेतु शिविरों का आयोजन कर नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी और पात्रता के अनुसार लाभ उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं रंगोली राष्ट्र के माध्यम से घरों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर विकसित भारत के संकल्प को आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। अभियान का समापन 17 अक्टूबर को जनसेवक महाकुंभ-पंचायत से पार्लियामेंट तक कार्यक्रम के साथ होगा। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान की गतिविधियों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने तथा प्रत्येक कार्यक्रम में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेवा सेतु के जरिए महज चार दिन में जारी किया गया आय प्रमाण पत्र

■ नागरिकों तक पहुंच रही डिजिटल शासकीय सेवाएं

बिलासपुर। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को शासकीय सेवाएं अब अधिक सरल, सहज और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रही हैं। सेवा सेतु नागरिकों और शासकीय सेवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं। आवेदन से लेकर आवश्यक दस्तावेजों की जांच और प्रमाण पत्र जारी होने तक की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने से नागरिकों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। बिलासपुर तहसील के "श्री गौरी पहाड़ी को सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने के महज चार दिनों के भीतर आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। श्री गौरी पहाड़ी को आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। आवेदन प्रस्तुत करने के महज चार दिनों के भीतर श्री गौरी पहाड़ी का आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। कम समय में प्रमाण पत्र प्राप्त होने से उन्हें अपने आवश्यक व्यक्तिगत एवं शासकीय कार्यों को पूरा करने में काफी सुविधा मिली। सेवा सेतु के माध्यम से पूरी प्रक्रिया सहज और सुविधाजनक होने से उन्हें प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़े। आय प्रमाण पत्र मिलने के बाद श्री गौरी पहाड़ी ने "सेवा सेतु की त्वरित एवं सरल कार्यप्रणाली" पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने की प्रक्रिया आसान रही और निर्धारित समय से पहले ही प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। इससे उनके जरूरी कार्य समय पर पूरे हो सके। उन्होंने त्वरित निराकरण के लिए छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार भी व्यक्त किया। सेवा सेतु छत्तीसगढ़ के नागरिकों तक डिजिटल सेवाएँ लाने का एक खास पहल है। इसका उद्देश्य हर एक नागरिक, विशेषत: दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों में रहने वालों, तक सरकार की योजनाएँ और सुविधाएँ पहुंचाना हैं। 'सेवा सेतु' सरकार की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर कलेक्टर संजय ने दिलाया साक्षरता का संकल्प..

■ उल्लास कार्यक्रम के तहत निरक्षरों को साक्षर बनाने में योगदान देने का लिया संकल्प

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में उल्लास कार्यक्रम के तहत कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साक्षरता का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। सभी ने अपने आसपास के निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा और साक्षरता व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह निरक्षरता को दूर करने के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे। उन्होंने सभी से अपील की कि वे उल्लास कार्यक्रम से जुड़कर निरक्षर व्यक्तियों को पढ़ना-लिखना सिखाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में योगदान दें।

केंद्रीय जेल में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आध्यात्मिक एवं प्रेरणात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया..

बिलासपुर। केंद्रीय जेल बिलासपुर में बंदियों के आध्यात्मिक एवं मानसिक उत्थान, सकारात्मक सोच के विकास तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा विशेष आध्यात्मिक एवं प्रेरणात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारी संस्था की ब्रह्माकुमारी संतोषी एवं ब्रह्माकुमारी मनस्वी ने बंदियों को आत्मचिंतन, सकारात्मक जीवनशैली, मानसिक शांति, तनावमुक्त जीवन तथा अच्छे विचारों के महत्व के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि जीवन में परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और संयम के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में परिवर्तन ला सकता है। बंदियों को क्रोध, तनाव, नकारात्मक विचारों एवं बुरी आदतों से दूर रहने तथा अनुशासित एवं सदाचारी जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उन्हें अपने अतीत की गलतियों से सीख लेकर भविष्य को बेहतर बनाने और जेल से बाहर जाने के बाद समाज में जिम्मेदार नागरिक के रूप में पुन:

स्थापित होने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 बंदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा आध्यात्मिक एवं प्रेरणात्मक विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम के माध्यम से बंदियों को मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के साथ-साथ जीवन में अच्छे विचारों एवं व्यवहार को अपनाने की प्रेरणा मिली। जेल प्रशासन द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि इस प्रकार के रचनात्मक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम बंदियों के सुधार, पुनर्वास एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजनों से बंदियों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होने के साथ उन्हें अपराधमुक्त एवं बेहतर जीवन की ओर आगे बढ़ने में सहायता मिलती है।

यदुनंदन नगर में चाकू लहराकर लोगों को धमका रहा युवक गिरफ्तार

■ सिरगिट्टी पुलिस ने धारदार चाकू किया जब्त, आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर भेजा जेल

बिलासपुर। आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों, नशाखोरों एवं चाकूबाजों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिरगिट्टी पुलिस ने एक युवक को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी यदुनंदन नगर तिफरा के पास हाथ में चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा था। पुलिस के अनुसार, उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन तथा थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आकाश चौधरी के मार्गदर्शन में सिरगिट्टी पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि यदुनंदन नगर तिफरा के पास एक युवक हाथ में धारदार चाकू लेकर लोगों को धमका रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद कर जब्त किया। आरोपी की पहचान विनोद साहू (23), पिता स्व. हरप्रसाद साहू, निवासी कुंदरापारा तालाब के सामने, बजरंगबली मंदिर के पास, तिफरा, थाना सिरगिट्टी, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 656/2026 के तहत धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में कार्रवाई की। पूछताछ एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के माध्यम से जेल दाखिल किया गया।

असामाजिक तत्वों की सूचना पुलिस को देने की अपील

सिरगिट्टी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशाखोरी, चाकूबाजी, अड्डेबाजी अथवा सार्वजनिक स्थानों पर कानून व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने कहा है कि ऐसे तत्वों के खिलाफ आगे भी प्रभावी और कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री शिवकुमार बनर्जी एवं सुश्री ज्योति पटेल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में मल्टी एक्टिविटी सेंटर नारी शक्ति समिति गनियारी की अध्यक्ष श्रीमती रागिनी पाण्डेय द्वारा सेंटर में ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण हो रही दिक्कतों के संबंध में ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि ट्रांसफार्मर जल जाने से मशीनी उपकरण संचालित नहीं हो रहे है, जिससे उन्हें मिले आर्डर को वे समय पर पूरा नहीं कर पा रहे है। उन्होंने कलेक्टर से नये ट्रांसफार्मर की मांग की है। कोटा विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला भेलवापारा के प्रधान पाठक एवं ग्रामीणों द्वारा स्कूल भवन को मरम्मत कराने की मांग की गई। ग्राम पंचायत धूमा के ग्रामीण किसानों ने ग्राम धूमा के पैटू तालाब के पास मेन नहर में पुलिया निर्माण की मांग रखी। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त मार्ग से आवागमन के साथ-साथ कृषि कार्यों के लिए खाद-बीज लाने-ले जाने में भी किसानों को परेशानी होती है। ग्रामीणों ने क्षेत्र की समस्या को देखते हुए नवीन पुलिया निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया है। बिल्हा नगर पंचायत क्षेत्र के रविशंकर शर्मा ने कृषि भूमि में उपयोग किए गए यूरिया खाद से संबंधित शिकायत प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि ग्राम देवकीरारी में स्थित अपनी कृषि भूमि के लिए दुकान से खरीदा गया यूरिया खाद उपयोग करने के बाद अपेक्षित लाभ नहीं मिला, बल्कि उन्हें नुकसान होने की

शिकायत है। उन्होंने खाद की गुणवत्ता की जांच कर उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को तत्काल जांच करवाने के निर्देश दिए। कुदुदंड निवासी राधेश्याम सूर्यवंशी ने सीमांकन में हो रही देरी की शिकायत की। आवेदन के अनुसार सीमांकन के लिए पूर्व में तहसीलदार के आदेश के बावजूद लंबे समय से सीमांकन नहीं हो पाया है। आवेदक ने बताया कि पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से संपर्क करने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने शीघ्र सीमांकन कराने का अनुरोध किया है। सकरी थाना क्षेत्र के ग्राम सकरी निवासी श्रीमती जानकी शर्मा ने अपने पुत्र की तालाब में डूबने से हुई मृत्यु के मामले में राज्य आपदा राहत कोष के अंतर्गत नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि दिलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि उनके 43 वर्षीय पुत्र की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी। जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत प्रभावित हुई है। उन्होंने शीघ्र क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत कराने का अनुरोध किया।सकरी क्षेत्र के दरसराम पनिक ने एनएचएआई द्वारा सड़क निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिलाने की मांग की। उन्होंने उनकी निजी भूमि पर बिना उचित सूचना दिए सड़क निर्माण कराया गया है। उन्होंने बताया कि भूमि का सीमांकन पूर्व में किया जा चुका है तथा सड़क निर्माण में उनकी निजी भूमि का उपयोग हुआ है। शहर के टिकरापारा निवासी ओमप्रकाश सोनी ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत निराश्रित पेंशन पुन: शुरू कराने का ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शारीरिक रूप से दिव्यांग होने के कारण उन्हें चलने-फिरने एवं कार्य करने में कठिनाई होती है। नगर पालिक निगम के माध्यम से उन्हें निराश्रित परिचय पत्र प्रदान किया गया था और इसके आधार पर वे पेंशन का लाभ प्राप्त कर रहे थे।

मासिक शिवरात्रि पर करें भगवान शिव की उपासना

हिंदू धर्म में भगवान शिव की उपासना के लिए मासिक शिवरात्रि का दिन बेहद खास माना जाता है। प्रत्येक महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन महादेव की श्रद्धापूर्वक पूजा और व्रत करने से भक्तों को विशेष फल की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि शिवरात्रि के व्रत से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन से परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही सुख-शांति, समृद्धि और मनचाही इच्छा पूरी होने का आशीर्वाद मिलता है। आइए जानते हैं सितंबर 2026 में मासिक शिवरात्रि कब मनाई जाएगी और पूजा के लिए शुभ समय क्या रहेगा।

सितंबर में कब है मासिक शिवरात्रि?

वैदिक पंचांग के मुताबिक, सितंबर महीने में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 9 सितंबर 2026 को दोपहर 12 बजकर 31 मिनट से आरंभ होगी। इसका समापन 10 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजकर 33 मिनट पर होगा। चतुर्दशी के रात्रिकालीन महत्व को देखते हुए मासिक शिवरात्रि का व्रत 9 सितंबर, बुधवार को रखा जाएगा।

मासिक शिवरात्रि पर करें इन मंत्रों का जाप :

मासिक शिवरात्रि के दिन भगवान शिव की आराधना करते समय इन मंत्रों का जाप किया जा सकता है:

ॐ त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुतम्।
त्रिजन्म पाप संहारम् एक बिल्वं शिवार्पणम्॥
ॐ शिवाय नमः।
ॐ सर्वात्मने नमः।
ॐ त्रिनेत्राय नमः।
ॐ हराय नमः।
ॐ इन्द्रमुखाय नमः।

मासिक शिवरात्रि व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यता है कि मासिक शिवरात्रि पर श्रद्धा से व्रत रखने और भगवान शिव का पूजन करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। शिव मंत्रों का जाप शिव मंदिर या घर के पूर्व दिशा की ओर मुख करके करना शुभ माना जाता है। पूजा संपन्न होने के बाद ब्राह्मणों को भोजन कराने और इसके बाद स्वयं भोजन करने की परंपरा भी बताई गई है। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति के कष्ट कम होते हैं और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। भगवान शिव की कृपा से आरोग्य, दीर्घायु, ऐश्वर्य और संतान सुख की प्राप्ति होने की भी धार्मिक मान्यता है। श्रद्धापूर्वक व्रत करने से मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद मिलता है।

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण को माना जाता है शुभ दिशा

वास्तु शास्त्र की मानें तो घर का हर कोना हमारे जीवन पर प्रभाव डालता है। इसलिए वास्तु के नियमों का पालन करके हम अगर सही दिशा में सही वस्तुएं रखते हैं तो जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में क्या चीजें रखने से आपके घर में सुख-शांति आती है, आर्थिक लाभ मिलता है और भाग्य का भी आपको साथ मिलने लगता है।

ईशान कोण में रखें ये चीजें

ईशान कोण के देवता भगवान शिव हैं वहीं देवगुरु बृहस्पति को इस दिशा का स्वामी ग्रह माना जाता है। ऐसे में अगर आप ईशान कोण मे गुरु यंत्र या फिर भगवान शिव की प्रतिमा रखते हैं तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। ऐसा करने से आपको करियर और आर्थिक पक्ष में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते है। गुरु ग्रह को संपन्नता का कारक माना जाता है ऐसे में अगर आप गुरु यंत्र ईशान कोण में स्थापित करते हैं तो आपकी तिजोरी पैसों से भर सकती है।

ईशान कोण में शंख रखना भी अच्छा माना गया है। भगवान विष्णु के प्रतीक शंख को अगर आप ईशान कोण में रखते हैं तो आपको सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। हालांकि इस दिशा में रखे शंख की आपको पूजा करनी चाहिए और इसे घर के लोगों के अलावा किसी और को नहीं छूने देने चाहिए। इस शंख का इस्तेमाल बजाने के लिए आपको नहीं करना चाहिए।

कलश को भी आप घर के ईशान कोण मे रख सकते है। कलश को दैवीय शक्तियों का आह्वान करने का स्रोत माना जाता है। ऐसे में अगर आप घर के ईशान कोण में कलश रखते हैं तो देवी-देवताओं की कृपा आप पर बनी रहती है। इसके साथ ही वास्तु से संबंधित दोष भी दूर होते हैं। ईशान कोण में कलश रखने से आरोग्य की आपको प्राप्ति होती है और साथ ही आर्थिक रूप से भी आप संपन्न होते हैं।

घर के ईशान कोण में आपको श्रीफल रखने से भी बेहद शुभ फल मिल सकते हैं। श्रीफल को माता लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है ऐसे में अगर आप ईशान कोण में श्रीफल रखते हैं तो धन-धान्य की आपके जीवन में कोई कमी नहीं रहती। श्रीफल के प्रभाव से घर में मौजूद नकारात्मकता भी दूर होने लगती है। श्रीफल रखने से घर का वातावरण भी पवित्र और सात्विक बना रहता है। अगर आप विस्तार से जानना चाहते हैं कि ईशान कोण को शुभ क्यों माना जाता है और इस दिशा में पूजा करना लाभकारी क्यों है तो हमारी वेबसाइट पर विस्तार से पढ़ सकते हैं।

सोते वक्त भी निखरती है त्वचा?

जानिए नींद और स्किन ग्लो का कनेक्शन

क्या आपने कभी गौर किया है कि अच्छी नींद लेने के बाद चेहरा ज्यादा फ्रेश और खिला-खिला नजर आता है, जबकि रातभर ठीक से न सोने पर आंखों के नीचे सूजन, थकान और त्वचा की डलनेस दिखाई दे सकती है? यही वजह है कि अच्छी नींद को आम बोलचाल में स्लीपिंग ब्यूटी भी कहा जाता है। नींद केवल शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि रात के दौरान शरीर कई सामान्य रिकवरी प्रक्रियाओं से भी गुजरता है, जिनका असर त्वचा की स्थिति पर दिखाई दे सकता है। दिनभर काम, तनाव, प्रदूषण और धूप के संपर्क में रहने के बाद त्वचा को भी आराम की जरूरत होती है। जब आप पर्याप्त नींद लेते हैं, तो शरीर को अपनी सामान्य मरम्मत और रिकवरी प्रक्रियाओं के लिए समय मिलता है। इसके विपरीत, लगातार नींद पूरी न होने पर चेहरा थका हुआ, आंखों के आसपास सूजा हुआ और त्वचा कम फ्रेश दिखाई दे सकती है।

अच्छी नींद शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसका संबंध त्वचा के सामान्य स्वास्थ्य से भी हो सकता है। रात के समय शरीर आराम की अवस्था में होता है, जिससे त्वचा की सामान्य रिकवरी प्रक्रिया को सपोर्ट मिलता है। पर्याप्त नींद लेने के बाद सुबह चेहरा अधिक तरोताजा और फ्रेश नजर आ सकता है। हालांकि केवल नींद ही चेहरे के ग्लो की वजह नहीं होती। त्वचा का स्वास्थ्य कई कारकों पर निर्भर करता है। आपकी डाइट, पानी का सेवन, तनाव, शारीरिक गतिविधि, धूप से बचाव और स्किनकेयर रूटीन भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अगर आप लगातार देर रात तक जागते हैं या पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो इसका असर आपके चेहरे पर नजर आ सकता है। आंखों के नीचे डार्क सर्कल या सूजन अधिक दिखाई दे सकती है और चेहरा थका हुआ लग सकता है। कुछ लोगों में लंबे समय तक खराब नींद और तनाव त्वचा से जुड़ी परेशानियों को भी प्रभावित कर सकते हैं। वयस्कों के लिए आमतौर पर हर रात करीब 7 से 9 घंटे की नींद की सलाह दी जाती है। हालांकि, नींद की जरूरत उम्र और व्यक्ति की परिस्थितियों के अनुसार अलग हो सकती है। केवल घंटों की संख्या ही नहीं, बल्कि नींद की गुणवत्ता और नियमितता भी महत्वपूर्ण है।

आज का राशिफल

मेष राशि - नौकरी और रोजी-रोजगार के मामले मे दिन आपके पक्ष मे रहेगा। कामकाज के लिए माहौल अच्छा बनेगा। साझेदारो के बीच चल रहा मनमुटाव दूर हो सकता है। धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे है।व्यापार करने वालों को पुराने संपर्कों से फायदा होने की संभावना है। पैसों के मामले में स्थिति ठीक रहेगी, लेकिन किसी को बडी धनराशि उधार देने से फिलहाल बचें।

वृषभ राशि - कारोबार में आगे बढने के नए मौके मिल सकते हैं। आपने किसी नए काम की योजना बनाई है तो उसमें सफलता मिलने की उम्मीद है। विद्यार्थियों का पढाई में मन लगेगा और वे अपने लक्ष्य पर बेहतर ध्यान दे पाएंगे। नौकरी में लंबे समय से अटके काम गति पकड़ सकते हैं और आपके प्रदर्शन से अधिकारी प्रभावित होंगे आमदनी के साथ बचत पर भी ध्यान देना जरूरी रहेगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

मिथुन राशि - दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आएगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और कहीं से अच्छी खबर मिल सकती है। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आपकी कोई खास इच्छा भी पूरी होने की संभावना बन रही है। कारोबार में किसी नए व्यक्ति से हुई मुलाकात आगे चलकर लाभकारी साबित हो सकती है। खर्चों में अचानक बढोतरी संभव है, इसलिए आर्थिक योजना बनाकर चलें।

कर्क राशि - आपको विरोधियो से सावधान रहने की जरूरत है। बेवजह के खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट का ध्यान रखें। लापरवाही की स्थिति में आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। संतान से जुड़ी किसी बात को लेकर चिंता हो सकती है। नौकरी में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपके सामने आ सकता है। व्यापारियों को कारोबार बढ़ाने के नए रास्ते दिखाई दे सकते हैं।

सिंह राशि - सरकारी या प्रशासनिक कामों मे सफलता मिल सकती है। आपकी पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी और लोग आपके काम की सराहना करेंगे। यात्रा के दौरान आर्थिक लाभ के योग है। कुल मिलाकर दिन उत्साह और प्रसन्नता से भरा रह सकता है। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी, हालांकि गैरजरूरी खरीदारी से बचना उचित होगा। परिवार और समाज में आपका प्रभाव बढ़ सकता है। प्रेम संबंधों में विश्वास और आपसी समझ मजबूत होगी।

कन्या राशि - आप अपने प्रयास और आत्मविश्वास के दम पर कई जरूरी काम पूरे कर लेंगे। घर में मेहमानों का आना हो सकता है, जिससे दिन व्यस्त रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अच्छा अवसर भी मिलेगा। व्यापार में पुराने निवेश या पुराने संपर्कों से फायदा मिलने की संभावना है। धन संबंधी मामलों में स्थिरता बनी रहेगी। परिवार का कोई सदस्य आपके जरूरी काम को पूरा कराने में मदद कर सकता है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है।

तुला राशि- संपत्ति से जुड़े मामलों में फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। अचानक कोई अच्छी खबर मिलने से मन प्रसन्न होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। पुराने मामलों को सुलझाने के लिए दिन अच्छा रह सकता है। व्यापार में पार्टनरशिप या किसी सहयोगी के साथ मिलकर काम करने से फायदा हो सकता है। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिलेगा। घर में कोई अच्छी खबर मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक राशि – नए लोगों से मुलाकात और संपर्क बढ़ेंगे, जिनका फायदा आगे चलकर मिल सकता है। आपकी प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार और वाणिज्य से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलने की संभावना है।कार्यस्थल पर कुछ मुश्किलें या अतिरिक्त दबाव सामने आ सकता है, लेकिन धैर्य के साथ काम करने पर परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। कारोबार में जल्दबाजी से निवेश करने से बचें।

धनु राशि- आमदनी के नए रास्ते खुल सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं से जुड़ी चीजो मे बढ़ोतरी हो सकती है। वाहन या भौतिक सुख-साधनों पर खर्च संभव है। दाम्पत्य जीवन मे प्रेम और तालमेल बना रहेगा। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे और लाभ के रास्ते खुल सकते है। अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। साथी का सहयोग प्रेम संबंधों को मजबूत बनाएगा।

मकर राशि - अचानक धन लाभ मिलने की संभावना है। जिस काम में काफी समय से सफलता का इंतजार था, उसमें सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। घर के लिए कोई नई वस्तु खरीदने की योजना भी बन सकती है।व्यापारियों के साथ नए ग्राहक जुड़ सकते हैं और कारोबार में विस्तार की योजना बन सकती है। धन की स्थिति पहले से बेहतर रहने की संभावना है।

कुंभ राशि- सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा। पद और प्रतिष्ठा बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। घर, जमीन या वाहन से जुड़ा सुख प्राप्त होगा। संतान की ओर से भी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। नौकरी में आपकी नई सोच और रचनात्मक क्षमता लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। व्यापार में नए लोगों से बने संपर्क भविष्य में लाभ दिला सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, हालांकि अचानक कोई अतिरिक्त खर्च सामने आ सकता है।

मीन राशि- लंबे समय से अटके काम पूरे करने में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में पदोन्नति या आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। हालांकि जोखिम वाले निवेश से बचें। लॉटरी, जुआ और शेयर बाजार में बिना सोचे पैसा लगाने से बचना बेहतर होगा।कारोबार में कमाई के नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए कोई नई योजना बनाने का विचार मन में आ सकता है। घर-परिवार में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहेगा। प्रेम जीवन में साथी आपकी भावनाओं को समझेगा और भावनात्मक सहयोग देगा।

कम उम्र वालों में क्यों बढ़ रही है विटामिन-डी की कमी?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हमें रोजाना ऐसे खान-पान की जरूरत होती है जिससे आवश्यक अधिकतर पोषक तत्वों की पूर्ति हो सके। कई अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि अगर हम सभी सिर्फ खान-पान को ही ठीक रख लें तो इससे कई बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। दूसरी तरफ स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंता जताते रहे हैं कि कम उम्र के लोगों में भी शरीर के लिए जरूरी कई न्यूट्रिशन की गंभीर कमी देखी जा रही है। लो विटामिन-डी सबसे ज्यादा चिंता का कारण है। विटामिन-डी शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। कैल्शियम और विटामिन-डी मिलकर हड्डियों को मजबूत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसकी कमी से सिर्फ हड्डियों की ही नहीं, बल्कि इम्युनिटी और मेंटल हेल्थ को भी समस्याएं हो सकती हैं।

युवाओं में विटामिन डी की कमी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, विटामिन-डी का नाम आते ही सबसे पहले धूप याद आती है। लेकिन आज की जीवनशैली में धूप से दूरी, घर और ऑफिस के अंदर ज्यादा समय बिताना और डाइट में विटामिन-डी वाली चीजों की कमी लोगों के लिए खतरा बढ़ाती जा रही है।

शरीर विटामिन

डी बनाने के लिए सूर्य की किरणों का इस्तेमाल करता है। लेकिन शहरी आबादी में लोगों को धूप कम मिल पाता है, क्योंकि ज्यादातर लोगों के दिन का समय स्कूल-कॉलेज और ऑफिस के भीतर बीत जाता है।

इसके अलावा सनस्क्रीन का ज्यादा इस्तेमाल और बाहर कम रहना भी लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा रही है।

डाइट भी समस्या

अध्ययनों से पता चलता है कि विटामिन-डी के लिए डाइट पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। भोजन से पर्याप्त विटामिन-डी पाना आसान नहीं होता क्योंकि प्राकृतिक रूप से यह बहुत कम खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। फैटी फिश, अंडे की जर्दी, चीज और कुछ फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों में ये थोड़ी मात्रा में होता है। चूंकि विटामिन-डी वाली चीजें पहले से सीमित हैं, इसलिए यदि डाइट पर ध्यान नहीं देते हैं और ऐसे खाद्य पदार्थ नियमित रूप से नहीं लेते तो भोजन से पर्याप्त विटामिन-डी मिलना मुश्किल हो सकता है।

अब सवाल ये है कि कम उम्र में विटामिन-डी की कमी हो क्यों रही है, आखिर इसके पीछ का कारण क्या है?

लकड़ी की टेबल पर पड़े दाग-धब्बे हटाने के उपाय

लकड़ी का फर्नीचर घर को खूबसूरत लुक देता है, लेकिन इसकी देखभाल थोड़ी ज्यादा करनी पड़ती है. खासकर जब लकड़ी की मेज पर गिलास या कप रखा जाता है, तो कई बार वहां सफेद रंग का गोल निशान बन जाता है. इसे देखकर लगता है कि मेज की चमक खराब हो गई है. लेकिन अगर निशान हल्का है, तो इसे हटाने के लिए किसी महंगे क्लीनर की जरूरत नहीं पड़ सकती. घर में रखी मेयोनीज इस काम में मदद कर सकती है.

जब ठंडे पानी या ड्रिंक से भरा गिलास लकड़ी की मेज पर रखा जाता है, तो उसके नीचे नमी जमा हो सकती है। यही नमी फर्नीचर की ऊपर वाली परत को प्रभावित करती है और वहां सफेद या धुंधला गोल निशान नजर आने लगता है। कई बार बहुत गर्म कप या बर्तन रखने से भी ऐसा निशान बन सकता है। अच्छी बात यह है कि हर बार इसका मतलब लकड़ी खराब होना नहीं होता। कई मामलों में असर सिर्फ ऊपर की फिनिश तक रहता है।

मेयोनीज में तेल और सिरका जैसे कुछ तत्व होते हैं। माना जाता है कि ये लकड़ी की ऊपर वाली परत पर बने हल्के सफेद निशान को कम करने में मदद कर

सकते हैं। खासकर जब निशान नमी की वजह से बना हो, तब यह घरेलू तरीका आजमाया जा सकता है। हालांकि, इसका असर हर तरह की लकड़ी और हर निशान पर एक जैसा नहीं होता।

सबसे पहले मेज की सतह को एक साफ और सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें।

अब एक साफ कपड़े पर करीब एक चम्मच मेयोनीज ले। इसे सिर्फ उस जगह पर हल्के हाथ से लगाएं। इसके बाद मेयोनीज को करीब 15 मिनट तक लगा रहने दें। समय पूरा होने के बाद दूसरे साफ कपड़े से मेयोनीज को पूरी तरह पोंछ दे। अब देखें कि निशान पहले से हल्का हुआ है या नहीं। अगर थोड़ा फर्क नजर आए, तो जरूरत के हिसाब से यह तरीका दोबारा आजमाया जा सकता है। अगर 15 मिनट बाद निशान पूरी तरह साफ नहीं हुआ है, तो मेयोनीज को थोड़ी देर ज्यादा लगा रहने दिया जा सकता है।

'नेत्रदान से किसी के अंधेरे जीवन में लौट सकती है रोशनी'

नेत्रदान केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मृत्यु के बाद किसी दूसरे व्यक्ति को नई जिंदगी और रोशनी देने का महान अवसर है। देश में कॉर्नियल अंधत्व से पीड़ित लाखों लोगों के लिए नेत्रदान उम्मीद की किरण बन सकता है। इसी उद्देश्य से नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर डॉ. शशि कपूर ने जोर दिया है।विशेषज्ञों के अनुसार भारत में हर वर्ष करीब 2 से 2.5 लाख कॉर्निया की आवश्यकता होती है, जबकि उपलब्ध नेत्रदान इसकी तुलना में काफी कम हैं। इस कमी के कारण अनेक मरीजों को कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 50 हजार के आसपास ही नेत्रदान हो पाते है। डॉ. शशि कपूर का कहना है कि नेत्रदान को लेकर समाज में अभी भी कई तरह की भ्रांतियां हैं। लोगों को यह समझने की जरूरत है कि नेत्रदान से मृत व्यक्ति के चेहरे का स्वरूप खराब नहीं होता और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में भी कोई बड़ी बाधा नहीं आती। आमतौर पर प्रत्यारोपण के लिए आंख का पारदर्शी कॉर्निया उपयोग किया जाता है। व्यक्ति के नेत्रदान से दो जरूरतमंद लोगों को दृष्टि का लाभ मिल सकता है। यही वजह है कि नेत्रदान को समाज में एक मानवीय और जीवनदायी संकल्प के रूप में बढ़ावा देने की जरूरत है। नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण सुझाव यह है कि ड्राइविंग लाइसेंस बनवाते समय व्यक्ति से नेत्रदान की इच्छा भी दर्ज कराई जाए। इससे लोगों को जीवनकाल में ही अपनी इच्छा व्यक्त करने का अवसर मिलेगा और मृत्यु के बाद परिवार के लिए निर्णय लेना आसान हो सकता है। हालांकि केवल लाइसेंस पर इच्छा दर्ज होना ही पर्याप्त नहीं है। परिवार के सदस्यों को भी व्यक्ति की इच्छा की जानकारी होना जरूरी है, क्योंकि मृत्यु के बाद नेत्रदान के लिए समय पर संबंधित नेत्र बैंक से संपर्क करना महत्वपूर्ण होता है।किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिवार को जितनी जल्दी संभव हो, नजदीकी नेत्र बैंक या संबंधित संस्था से संपर्क करना चाहिए। सामान्यतः कॉर्निया को मृत्यु के कुछ घंटों के भीतर प्राप्त करना अधिक उपयोगी माना जाता है। प्रक्रिया प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा की जाती है और दाता के चेहरे की सामान्य बनावट को बनाए रखा जाता है। नेत्रदान को लेकर सबसे बड़ी चुनौती जागरूकता की कमी और गलत धारणाएं हैं। चश्मा या अधिक उम्र होने पर नेत्रदान नहीं किया जा सकता। वास्तव में अंतिम पात्रता का निर्णय चिकित्सा जांच के बाद किया जाता है और कई उम्रदराज व्यक्ति भी संभावित दाता हो सकते हैं।किसी की जिंदगी खत्म होने के बाद भी उसकी आंखें किसी दूसरे के लिए नई शुरुआत बन सकती हैं—यही नेत्रदान का सबसे बड़ा संदेश है।

जैसे-जैसे भारत का मसाला उद्योग बेहतर मृदा प्रबंधन, कीटनाशकों के जिम्मेदार इस्तेमाल और खेत स्तर पर मजबूत सोर्सिंग की ओर बढ़ रहा है, श्याम धनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस बात का उदाहरण बनकर उभर रही है कि क्षेत्रीय मसाला ब्रांड शुद्धता, गुणवत्ता और ट्रेसेबिलिटी के आधार पर अपनी अलग पहचान कैसे बना सकते हैं।अप्रैल 2024 में, स्पाइसेस बोर्ड ने भारत से सिंगापुर और हांगकांग निर्यात होने वाली प्रत्येक मसाला खेप के लिए एथिलीन ऑक्साइड (ETO) की जांच अनिवार्य कर दी। यह कदम दोनों बाजारों में भारतीय ब्रांडेड मसाला उत्पादों को वापस मंगाए जाने के बाद उठाया गया। शुरुआत में इसे मुख्य रूप से निर्यात संबंधी अनुपालन की आवश्यकता के रूप में देखा गया। हालांकि, दो साल बाद यह मुद्दा काफी व्यापक हो गया है। अब ध्यान भारत में बेचे जाने वाले मसालों की गुणवत्ता और सुरक्षा पर भी केंद्रित हो रहा है। मसाला कंपनियां तेजी से यह महसूस कर रही हैं कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें खेत से लेकर उपभोक्ता तक पूरी सप्लाई चेन की जिम्मेदारी लेनी पड़ सकती है।भारत दुनिया के सबसे बड़े मसाला उत्पादकों और निर्यातकों में से एक बना हुआ है। स्पाइसेस बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 (FY25) में भारत ने अनुमानित 1.199 करोड़ टन मसालों का उत्पादन किया, जबकि मसालों का निर्यात 4.52 अरब अमेरिकी डॉलर का रहा।FY26 में निर्यात का रुझान अपेक्षाकृत कमजोर रहा है। इस दौरान औसत मासिक निर्यात 413.94 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि FY25 में यह 520.54 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। यानी इसमें 20.48% की गिरावट दर्ज की गई।

भारतीय मसाला उद्योग को मिल रही विकास की नई राह

हालांकि, मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और आयातक देशों की मांग जैसे कारक भी निर्यात को प्रभावित करते हैं, लेकिन 2024 की घटना ने वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए कड़े अनुपालन और बेहतर गुणवत्ता प्रणालियों के महत्व को उजागर किया।इस अनुभव ने मसाला आपूर्ति श्रृंखला मे अधिक ट्रेसेबिलिटी और व्यापक स्तर पर परीक्षण की आवश्यकता को और मजबूत किया है। हालांकि, इससे भी बड़ा अवसर भारत के घरेलू बाजार मे मौजूद है।

मानव मीनार बनी, जयकारे गूंजे और फूटी मटकी: डोंगरगढ़ के गोविंदाओं ने जीता दही हांडी का खिताब

सरदार पटेल मैदान में गूंजा 'गोविंदा आला रे', रायपुर दूसरे और बालाघाट तीसरे स्थान पर, हजारों दर्शकों ने लिया रोमांचक मुकाबले का आनंद

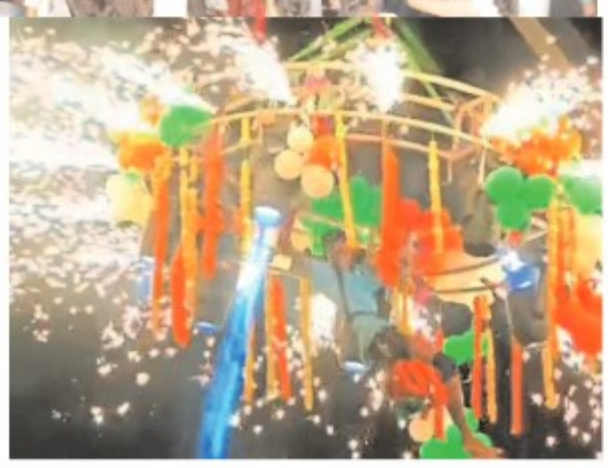

बालोद। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर रविवार को बालोद शहर का सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान कृष्ण भक्ति, उमंग और उत्साह के रंग में सराबोर रहा। कृष्ण जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित भव्य दही हांडी उत्सव में 'गोविंदा आला रे' के जयघोष और डीजे की धुन पर पूरा मैदान गूंज उठा। दही हांडी फोड़ने के लिए गोविंदा टीमों के बीच जमकर मुकाबला हुआ, जिसे देखने बालोद शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। प्रतियोगिता का सबसे रोमांचक क्षण उस समय आया, जब गोविंदा टीमों ने मानव मीनार बनाकर करीब 40 से 45 फीट ऊंचाई पर लटकी दही हांडी तक पहुंचने का प्रयास किया। टीम जैसे-जैसे मटकी के करीब पहुंचती, मैदान में मौजूद दर्शकों की धड़कनें और उत्साह दोनों बढ़ते गए। हर प्रयास के साथ तालियों और जयकारों की गूंज तेज होती रही।

डोंगरगढ़ के गोविंदा ने फोड़ी मटकी, बने विजेता

दही हांडी प्रतियोगिता में डोंगरगढ़ की गोविंदा टीम ने शानदार टीमवर्क और जबरदस्त जोश का प्रदर्शन करते हुए आखिरकार दही हांडी फोड़ दी और प्रथम स्थान हासिल किया। रायपुर की मंडली ने द्वितीय तथा बालाघाट की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डोंगरगढ़ की टीम के सदस्यों ने एक-दूसरे के कंधों पर चढ़कर कई स्तरों वाली मानव मीनार बनाई। कई प्रयासों में असफलता मिलने के बावजूद गोविंदाओं ने हिम्मत नहीं छोड़ी और लगातार प्रयास करते रहे। पानी का छिड़काव और ऊंचाई की चुनौती के बीच टीम ने बेहतरीन तालमेल का परिचय देते हुए मटकी फोड़कर जीत अपने नाम कर ली।

60 हजार के प्रथम पुरस्कार पर रही नजर

दही हांडी को करीब 40 से 45 फीट की ऊंचाई पर बांधा गया था, जो पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण रही। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 60 हजार रुपये, द्वितीय 30 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार 10 हजार रुपये रखा गया था। तृतीय पुरस्कार की राशि राकेश यादव की ओर से प्रदान की गई। ऊंचाई अधिक होने के कारण मटकी तक पहुंचना गोविंदा टीमों के लिए बड़ी चुनौती रही।

कृष्ण पूजा के साथ हुआ आयोजन का शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री यशवंत जैन रहे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख, कृष्ण जन्मोत्सव समिति के संरक्षक सौरभ लुनिया, संयोजक राकेश यादव, राजा दीवान, नगर पालिका उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, पार्षद दीपक लोढ़ा, ग्रजेश गुप्ता, शाहिद खान, नितेश वर्मा सहित भाजपा एवं भाजयुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

बालोद में नई परंपरा की शुरुआत: राजा दीवान

राजा दीवान ने कहा कि बालोद में दही हांडी जैसे भव्य आयोजन की शुरुआत एक नई परंपरा की ओर कदम है। सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान में राज दशहरा जैसे बड़े आयोजन भी होते हैं। ऐसे आयोजनों से मैदान की पहचान और मजबूत होगी तथा युवाओं को अपनी प्रतिभा, उत्साह और टीम भावना प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

सांस्कृतिक विरासत को मिलेगा नया आयाम: राकेश यादव

कृष्ण जन्मोत्सव समिति के संयोजक राकेश यादव ने कहा कि बालोद में सांस्कृतिक विरासत को नया आयाम देने की दिशा में दही हांडी उत्सव महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख ने कहा कि दही हांडी केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। इससे युवाओं में उत्साह के साथ टीम भावना और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है। कृष्ण जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष गुलशन साहू ने अतिथियों, गोविंदा टीमों, कार्यकर्ताओं और दर्शकों का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में पंकज चौधरी, अनूप देशमुख, हिमांशु साहू, सौरभ जैन, कुलदीप यादव, आशुतोष कौशिक, धनंजय साहू, अभिन्न यादव, सुमित जैन, जागेश्वर धीमर, रजत जैन, राहुल सोनी, नितेश सोनकर, वीर दिल्लीवार, सागर सहित जिलेभर के कार्यकर्ताओं का सराहनीय

25 वर्षों से जारी दहीहांडी की परंपरा: श्रीराधाकृष्ण के बाल स्वरूप आकर्षण के केंद्र, दहीहांडी एवं बच्चों के फैंसी ड्रेस ने बाँधी समां

भरत वर्मा, डॉ नीरेंद्र साहू, पूर्णिमा साहू हुए शामिल

डोंगरगांव नगर। नगर के पुराना बस स्टैण्ड में आयोजित दहीहाँडी के पारंपरिक आयोजन अंतर्गत नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए राधा कृष्ण फैंसी ड्रेस कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राधाकृष्ण के मनमोहक स्वरूप धारणकर बच्चों ने कार्यक्रम स्थल में समाँ बांध दिया। रंग बिरंगे परिधानों, आकर्षक मुकुट, बांसुरी और पारंपरिक श्रृंगार में सजे बच्चों की मनमोहक छवि ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा कर दिया। दही हांडी लूटने ग्वालो की टोली उमड़ पड़ी थी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दहीलूट कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राधाकृष्ण के बाल स्वरूप में पहुंचे नन्हे मुन्ने आकर्षण का केन्द्र रहे। भगवान

श्रीकृष्ण और राधा के रूप में सजे बच्चों को देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी उमड़े। बच्चों की मासूम मुस्कान, मनमोहक वेशभूषा और कृष्ण राधा की भाव भंगिमाओं को देखकर उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना की। इस कार्यक्रम में 8 वर्ष तक के आयु वर्ग के बालक बालिकाओं को शामिल किया गया था, जिनमें प्रिंस सोनी, शिवाय गुप्ता, अर्नव गुप्ता, समर्थ गुप्ता, निकुंज सिंह राजपूत, शिवन्या सिंह राजपूत, दाक्षिका कंडरा, कल्प गोलछा, काशवी गोलछा, प्रिया साहू, रियांश पटेल, पूर्वांश गंगबेर, आरवी जैन, आद्विक गुप्ता, देवीषा पंसारी, कुमारी भारती, मनन उंदीरवाड़े, हितिका अहीर और आलिया ने भाग लिया। गोविन्दा उत्सव समिति पुराना बस स्टैण्ड के तत्वावधान् में आयोजित उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित समस्त बच्चों को नगद सहित उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय के छात्र शिक्षक दिवस पर बने शिक्षक, प्राचार्य, उपप्राचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी विद्यार्थियों ने गीत, कविता, भाषण एवं नृत्य की प्रस्तुतियाँ दीं

समाधान महाविद्यालय में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने शिक्षकों का सम्मान आरती, तिलक एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया।

महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ.अवधेश पटेल ने सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किए। प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत ने कहा कि शिक्षक हमारे समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें सही दिशा, अनुशासन, संस्कार और अपने भविष्य के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी कराते है। वर्तमान समय में शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना में कमी दिखाई देना चिंताजनक है। शिक्षक का सम्मान केवल शिक्षक दिवस के एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, कृतज्ञता की भावना हर दिन हमारे व्यवहार और आचरण में दिखाई देनी चाहिए। शिक्षक राष्ट्र और समाज के भविष्य का निर्माण करने वाले महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, इसलिए उनके योगदान को सदैव सम्मान और गरिमा के साथ याद किया जाना चाहिए। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जी.डी. मानिकपुरी ने बताया कि हम जहां भी हैं, उसमें हमारे शिक्षकों के मार्गदर्शन और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे भविष्य के निर्माण में गुरु का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है।

शिक्षक एक प्रेरक की तरह होते हैं, जो विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शिक्षक, प्राचार्य, उपप्राचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी की भूमिका निभाने का अवसर मिला। छात्रों ने इन जिम्मेदारियों को उत्साह और आत्मविश्वास के साथ निभाया। डिग्री में प्राचार्य के रूप में बीसीए पंचम सेमेस्टर की छात्रा नूरी सिन्हा, उपप्राचार्य बीसीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र कुलदीप साहू एवं प्रशासनिक अधिकारी बीकॉम पंचम सेमेस्टर के छात्र महेंद्र साहू रहें। आईटीआई के प्राचार्य छात्र जलेश्वर बंजारे एवं शिक्षक के रूप में हिमांशी व रेवाराम रहें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, कविता, भाषण एवं नृत्य की प्रस्तुतियाँ दीं तथा उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। मंच का संचालन छात्रा नूरी सिन्हा, अंशा चतुर्वेदी, शुभि नामदेव, भूमि श्रीवास्तव एवं छात्र महेंद्र साहू द्वारा किया गया। अंत में उपप्राचार्य लक्ष्मीनारायण साहू ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापको सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

वूमेन फॉर ट्री योजना की अवधि खत्म होने से रोजगार का संकट, कलेक्टर से लगाई मदद की गुहार

बालोद। पौधे लगाने से लेकर उनकी देखभाल और पर्यावरण संरक्षण तक जिम्मेदारी निभाने वाली महिलाओं ने अब अपने रोजगार को बचाए रखने के लिए प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है।

डौंडीलोहारा और अर्जुंदा नगर पंचायत क्षेत्र की 'वूमेन फॉर ट्री' योजना से जुड़ी महिला सदस्यों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 'अमृत मिशन 2.0 पहल वूमेन फॉर ट्री योजना' की अवधि बढ़ाने की मांग की। महिलाओं ने कहा कि योजना का एक वर्ष पूरा हो चुका है, लेकिन लगाए गए पौधों की देखभाल अभी भी जरूरी है। ऐसे में योजना को आगे बढ़ाकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

लक्ष्य से 300 ज्यादा पौधे लगाए

डौंडीलोहारा की महिला समूहों ने बताया कि वर्ष 2025-26 में योजना के तहत 900 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन महिलाओं ने लक्ष्य से आगे बढ़कर 1,200 पौधों का रोपण किया। पौधे लगाने के बाद उनकी देखभाल और पर्यावरण संरक्षण का कार्य भी महिलाओं द्वारा लगातार किया गया। महिलाओं का कहना है कि योजना केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इससे उन्हें नियमित रोजगार का अवसर भी मिला। करीब 8 हजार रुपये प्रतिमाह मेहनताना मिलने से परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में काफी सहायता मिली।

अर्जुंदा में भी लक्ष्य से अधिक पौधरोपण

अर्जुंदा नगर पंचायत क्षेत्र की 'वूमेन फॉर ट्री' योजना से जुड़ी महिलाओं ने भी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में 800 पौधे लगाने का लक्ष्य मिला था, जबकि महिला समूहों ने करीब 1,000 पौधों का रोपण किया। महिलाओं ने कहा कि पौधों को लगाने के बाद उनकी सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी भी वे लगातार निभा रही हैं।

तीन माह से मेहनताना नहीं मिलने की शिकायत

महिलाओं ने ज्ञापन में एक अन्य महत्वपूर्ण समस्या भी उठाई। उनका कहना है कि पौधरोपण और देखभाल के कार्य के बदले मिलने वाली राशि में से करीब तीन माह का भुगतान अब तक नहीं हुआ है। महिलाओं ने लंबित भुगतान कराने के साथ योजना की अवधि बढ़ाने की मांग की है। डौंडीलोहारा से पूजा स्व सहायता समूह की तुलेश्वरी निषाद, ललिता यादव, जय मां बम्लेश्वरी स्व सहायता समूह की ताराबाई, अनिता ठाकुर, अंचल महिला स्व सहायता समूह की छबीला बाई, अनिता बाई सहित उर्मिला कौमार्य, मंजू यादव, अनुपा बाई, कृतिका यदु एवं अन्य महिलाएं मौजूद रहीं। अर्जुंदा क्षेत्र से तीना देवांगन, ओमी ठाकुर, लता यदु, मीनाक्षी, प्रियंका सहित अन्य महिला सदस्य जनदर्शन में पहुंचीं।

रोजगार बंद हुआ तो परिवार पर पड़ेगा असर

महिलाओं ने कहा कि इस योजना से मिलने वाला मेहनताना उनके परिवार की आर्थिक स्थिति के लिए महत्वपूर्ण था। योजना बंद होने से उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि योजना की अवधि बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें पौधों की देखभाल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे भी कार्य दिया जाए, ताकि रोजगार भी जारी रहे और लगाए गए पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। महिलाओं ने कलेक्टर से आग्रह किया कि उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए 'वूमेन फॉर ट्री' योजना का विस्तार किया जाए और लंबित मेहनताना जल्द जारी कराया जाए।

फैक्ट फाइल- लक्ष्य से आगे बढ़कर किया पौधरोपण,

डौंडीलोहारा:	लक्ष्य 900, रोपण 1,200
अर्जुंदा:	लक्ष्य 800, रोपण 1,000
मेहनताना:	करीब 8 हजार प्रतिमाह
लंबित भुगतान:	महिलाओं के अनुसार 3 माह
मुख्य मांग:	योजना की अवधि बढ़े, लंबित मिले और नया कार्य दिया जाए।
भुगतान	

ज़िले में भाजपा नेताओं का अपमान का सिलसिला जारी, एस सी आयोग के सदस्य हुए शिकार

बेमेतरा। नवागढ़ में आयोजित गुरू बालक दास जयंती समारोह में मंत्री खुशवंत साहेब ने एक बड़ी सभा में सामाजिक लोगों से कहा कि अब आप लोगो की समस्या को अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दयावंत बांधे सुनेगे , शुक्रवार को जो तस्वीर आई उससे तय हो गया कि बांधे को अब न्याय के लिए समाज के साथ साथ शीर्ष नेतृत्व के पास जाना होगा, सोशल मीडिया में आई वीडियो में बांधे जिला पंचायत सी ई ओ एवम एक पुलिस अधिकारी को यह बोलते नजर आ रहे हैं कि बुलाकर बेइज्जती कर रहे हों, एक आयोग का सदस्य हू जो कुछ कर रहे हों यह अनुचित है, वायरल वीडियो नवागढ़ ब्लाक के ग्राम पंचायत जेबरा एन की बताई जा रही है जहां पर मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम रखा गया था जिसमे शामिल होने बांधे पहुंचे थे।

घटना की चिट्ठी लिख रहा हूं- अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दयावंत बांधे से जब वायरल वीडियो के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि जिले के प्रोटोकाल अधिकारी द्वारा मोबाइल के अलावा ई कार्ड भेजकर कार्यक्रम का न्यौता दिया गया था जिसमे शामिल होने वे सुबह से पहुंच गया था, कार्यक्रम में देर होने के कारण कुछ देर इधर उधर के बाद रजकाकार बोर्ड के अध्यक्ष के निकट बैठकर ओपचारिक चर्चा कर रहा था। इस दौरान आयोजन में किसके इशारे पर क्या हुआ जांच में साफ हो जाएगा मुझे नायब तहसीलदार ने आकर कहा कि आप सामने नही बैठेंगे, मैने कारण पूछा, फिर कलेक्टर से बात किया तो कलेक्टर का जवाब गैर जिम्मेदाराना था इसी बीच जिला पंचायत सीईओ सपाट शब्दो में चेताया। एडिशनल एसपी का व्यवहार सकारात्मक था, बांधे ने कहा कि मैं पूरे घटना की जानकारी मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री, सीएस, छग शासन, अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव को पत्र के द्वारा दे रहा हूं, बेमेतरा में अधिकारी जो कुछ कर रहे हैं यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

आदिवासी हूं इसलिए उपेक्षित हूं- जेवरा एन में हुए आयोजन को लेकर जिला पंचायत सदस्य बाल कुमारी ध्रुव ने नाराजगी जताई है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर किसानों ने कलेक्टर जनदर्शन में उठाया मामला, कार्रवाई और संस्था में चुनाव कराने की मांग

दूध गंगा में 1.24 करोड़ के खर्च पर उठे सवाल, अधूरी कैशबुक से बिना टेंडर निर्माण तक कई खामियां

बालोद। किसानों की मेहनत और दूध से खड़ी की गई दूध गंगा दुग्ध उत्पादक एवं प्रसंस्करण सहकारी समिति मर्यादित की कार्यप्रणाली अब गंभीर सवालों के घेरे में है। संस्था को लेकर हुई जांच में वित्तीय प्रबंधन, कैशबुक संधारण, निर्माण एवं मरम्मत कार्य, वेतन वृद्धि और संस्था के संचालन से जुड़े कई बिंदुओं पर सवाल सामने आए हैं। जांच अधिकारी एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक उमाशंकर शर्मा की रिपोर्ट को आधार बनाकर दूध गंगा से जुड़े किसानों ने 2 सितंबर को कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन सौंपकर जिम्मेदारों पर कार्रवाई, कथित अनियमित राशि की वसूली तथा संस्था में शीघ्र चुनाव कराने की मांग की है। मामले की शुरुआत 8 जून 2026 को कलेक्टर जनदर्शन में प्रस्तुत शिकायत से हुई थी। इसके बाद उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला बालोद द्वारा जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। जांच के बाद रिपोर्ट 18 अगस्त को प्रस्तुत किए जाने की बात किसानों ने अपने आवेदन में कही है। किसानों का आरोप है कि रिपोर्ट सामने आने के बावजूद अब तक जिम्मेदारों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। जांच रिपोर्ट में

संस्था की वित्तीय स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025-26 की आय-व्यय पत्रक पूर्ण नहीं थी और 31 मार्च 2026 की बैलेंस शीट भी पूर्ण नहीं होने की बात सामने आई। वहीं प्रबंधक द्वारा 10 जून 2026 तक विभिन्न मदों में किए गए खर्च की राशि 1 करोड़ 24 लाख 93 हजार 643.45 रुपए बताई गई है। इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद आय-व्यय और बैलेंस शीट पूर्ण नहीं होने से संस्था की वास्तविक वित्तीय स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। जांच रिपोर्ट में कैशबुक को लेकर भी गंभीर टिप्पणी है। रिपोर्ट के अनुसार 11 मई 2023 से मैनुअल कैशबुक नहीं लिखी जा रही थी। कैशबुक अपूर्ण रहने के कारण संस्था के नकद शेष का सत्यापन भी नहीं हो सका। कंप्यूटरीकृत कैशबुक का उल्लेख है, लेकिन उसमें भी कुछ प्रविष्टियों और शेष राशि को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं होने की बात कही गई है। निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को लेकर भी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए हैं। जांच रिपोर्ट के अनुसार निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाई जानी थी, लेकिन टेंडर के बजाय तीन कोटेशन के आधार पर कार्य कराया गया। जांच अधिकारी ने कोटेशन की जांच में तीनों कोटेशन एक ही स्थान पर टाइप किए हुए प्रतीत होने तथा जमाकर्ता के हस्ताक्षर नहीं होने की टिप्पणी की है। हालांकि कार्य की वास्तविक लागत और आवश्यकता का अंतिम निर्धारण तकनीकी जांच एवं नाप-जोख के बाद ही किया जाना है। रिपोर्ट में जनवरी 2025 की पूर्व शिकायत का भी उल्लेख है। इसमें प्रबंधक को पूर्ण रूप से तथा संचालक मंडल को आंशिक रूप से दोषी पाए जाने की बात दर्ज है। इसके बाद संचालक मंडल को भंग कर शासकीय प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया था। किसानों का सवाल है कि पूर्व जांच के बाद भी यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। किसानों ने दूध भुगतान में देरी और करीब पांच माह से बोनस लंबित होने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि संस्था की वित्तीय स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। यदि यही स्थिति बनी रही तो दूध गंगा के बंद होने का खतरा पैदा हो सकता है, जिससे करीब 400 किसान परिवारों की आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। किसानों ने प्रबंधक, प्राधिकृत अधिकारी और सुपरवाइजर के विरुद्ध कार्रवाई, कथित वित्तीय अनियमितताओं की वसूली, निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच, आय-व्यय एवं लेखा रिकॉर्ड का विस्तृत परीक्षण तथा लंबित दूध भुगतान और बोनस का निराकरण करने की मांग की है। इसके साथ ही संस्था में शीघ्र निर्वाचन प्रक्रिया शुरू कर निर्वाचित संचालक मंडल के माध्यम से संचालन की मांग भी की गई है।जांच रिपोर्ट में दर्ज टिप्पणियों को अंतिम वित्तीय दोषसिद्धि नहीं माना जा सकता, क्योंकि कुछ मामलों में तकनीकी परीक्षण और विस्तृत लेखा सत्यापन की आवश्यकता भी रिपोर्ट में बताई गई है।

ऐसे में अब किसानों की नजर कलेक्टर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर है। क्या वित्तीय रिकॉर्ड का विस्तृत ऑडिट होगा। क्या निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच कराई जाएगी? लंबित भुगतान और बोनस कब मिलेगा? और क्या दूध गंगा में किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव कराए जाएंगे? इन सवालों के जवाब अब प्रशासनिक कार्रवाई से ही सामने आएंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com